।। श्री हरि: ।।

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN /2004 /13927

नमामि देवी नर्मदे

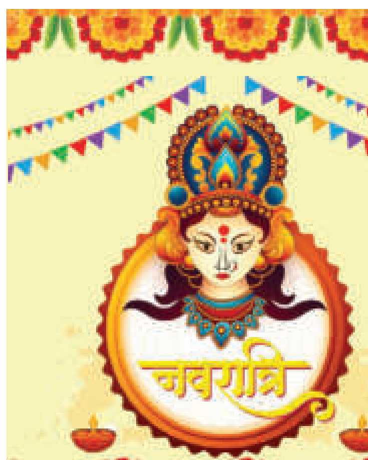

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम, गुरुवार, 03 अप्रैल 2025 • वर्ष - 21 • अंक - 169 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

पंचम दिवस : स्कंदमाता देवी

या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

संक्षिप्त समाचार

श्रमिक परिवारों की मुश्किल घड़ी में सरकार उनके साथ : सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना अत्यंत दु :खद और कष्टदायी है। राज्य सरकार पूरी सक्रियता एवं तत्परता के साथ मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य सरकार की ओर से अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मृतकों की पार्थिव देह उनके गृहग्राम एवं परिजन तक पहुंचाने की सभी जरूरी व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में सभी मृतकों के परिजन के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।

भोपाल में भिक्षावृत्ति पर लगेगा स्मार्ट निगरानी का पहरा

भोपाल। भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से प्रतिबंधित की गई है। भिक्षावृत्ति के मामलों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बुधवार को बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि भोपाल स्मार्ट सिटी के ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे कैमरों की मदद से भिक्षा देने और लेने वाले लोगों की पहचान की जाएगी और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी ट्रैफिक सिग्नलों पर ऑडियो-वीडियो विजुअल्स के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त भोपाल का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

आतंकी संगठन से जुड़े फिरोज को रतलाम पुलिस ने दबोचा

रतलाम। जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल पांच लाख के इनामी आतंकी फिरोज खान को रतलाम

पुलिस ने ईद के दौरान उसके घर से गिरफ्तार किया। वह दो साल से फरार था। 2022 में विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ में उसका नाम सामने आया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के फरार पांच लाख रुपए के इनामी तथा राजस्थान के जयपुर सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकी फिरोज खान पिता फकीर मोहम्मद सब्जीवाला निवासी रतलाम को रतलाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आतंकी फिरोज राष्ट्रीय जांच एजेंसी और स्थानीय पुलिस को लंबे समय से चकमा देकर फरार चल रहा था। आतंकी फिरोज जब ईद मनाने रतलाम आया, इसी दौरान पुलिस के इसे गिरफ्तार कर लिया।

अंतर्मना उवाच

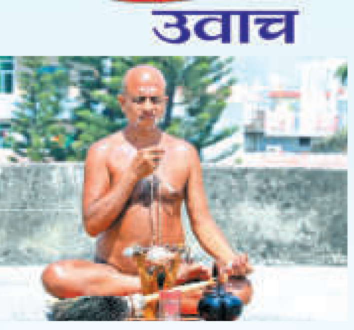

इंटरनेशनल स्कूल हल्दु चौड, जिला नैनीताल, उत्तराखंड में प्रकृति के समक्ष 36 डिग्री में प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

जब तक आप सफल हैं, तब तक कोई भी आप में बुराई ढूंढने की हिम्मत नहीं कर सकता है..! सफल लोग निराशा से उबरकर आगे बढ़ते हैं। असफल लोग या तो लक्ष्य का पीछा छोड़ देते हैं या पीछे हट जाते हैं। **अपनी ज़िन्दगी और सोच को बदलने का सबसे अच्छा तरीका है असफलताओं से निपटने की पूर्व तैयारी करना।** मानसिक रूप से खुद को निराशा की स्थिति में तुरंत उठ खड़े होने के लिए तैयार रखना चाहिए। हमेशा उच्चतर और बेहतर करने-बनने की इच्छा मन में रखनी चाहिए। जब श्रेष्ठ और बेहतर करने की दिशा में हम आगे बढ़ने लगते हैं, तो खराब और बुरी आदतें अपने आप दूर हो जाती है।

एक बात हमेशा ध्यान रखना बाबू -- ज़िन्दगी में हम कितने ही आगे निकल जायें, फिर भी सैकड़ो लोगों से पीछे रहेंगे और ज़िन्दगी में कितने भी पीछे रह जायें, फिर भी सैकड़ो लोगों से आगे रहेंगे। आप अपनी इमेजिनेशन की ताकत का इस्तेमाल करें। यह सोच आपके सफल होने, कुछ बनने और बहुत कुछ करने में कारगर सिद्ध होगी।

जीवन में इतनी मेहनत और संघर्ष तो करना ही चाहिए कि अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए हमें दूसरों का उदाहरण न देना पड़े...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मैहर की शारदा माई : जहां मंदिर खुलने से पहले ही आल्हा करते हैं मां की पूजा

मैहर ■ ब्यूरो

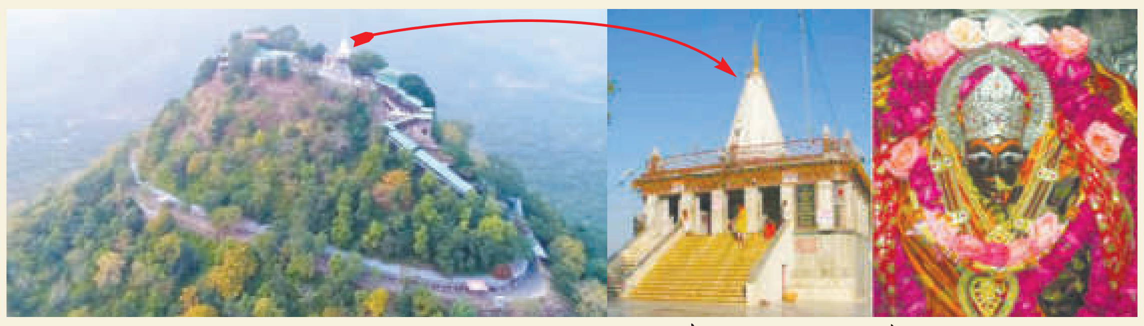

यह मंदिर सतना जिले के मैहर तहसील में त्रिकूट पर्वत पर 600 फीट ऊंचाई पर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्त को 1001 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। मैहर का अर्थ मां का हार से लिया जाता है। यह मंदिर एक शक्तिपीठ है। मान्यता है कि जब शिव के हाथ में पड़े सती के शव को भगवान विष्णु ने सुदर्शन से काटा तो उसके हिस्से और आभूषण अलग-अलग जगहों पर गिरे, जो बाद में शक्तिपीठ बने। मैहर में माता का हार गिरने से इस जगह को मैहर कहा जाता है।

मान्यता है कि आल्हा ने यहां 12 वर्ष तपस्या की थी और आल्हा ऊदल भाइयों ने ही इस मंदिर की खोज की थी। वे यहां की माता को माई कहकर पुकारते थे। इसलिए यहां की माता को शारदा माई कहा जाने लगा। एक अन्य मान्यता के अनुसार यहां आदिशंकराचार्य ने यहां सर्वप्रथम पूजा की थी और यहां 559 वि. में मूर्ति स्थापना की गई।

मंदिर को लेकर तरह-तरह की किंवदंतियां लोगों में प्रचलित हैं। मान्यता है कि शाम की आरती के बाद जब पुजारी मंदिर के द्वार बंद कर लौट जाते हैं तो मंदिर के अंदर से घंटी और पूजा करने की आवाज आती है। लोगों का मानना है कि यह पूजा सैकड़ों वर्षों पहले रहे इलाके की एक रियासत के योद्धा आल्हा करते हैं। अक्सर सुबह की आरती भी वे ही करते हैं।

मंदिर के एक पुजारी का कहना है कि मंदिर में मां का पहला श्रृंगार आल्हा करते हैं। जब ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के द्वार खोले जाते हैं तो यहां पूजा हुई मिलती है। उनका कहना है इस रहस्य का पता लगाने वैज्ञानिकों की टीम भी पहुंची थी, लेकिन वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

दरअसल, बुंदेलखंड के महोबा में एक परमार रियासत थी, आल्हा और ऊदल नाम के दो भाई इनके सामंत थे। ये दोनों वीर और प्रतापी योद्धा थे। कालिंजर के परमार राजा के राज्य में एक कवि थे जगनिक, इन्होंने आल्हा खंड नाम का काव्य लिखा था। इसमें दोनों भाइयों की वीरता की 52 कहानियां लिखी गई हैं। इसके अनुसार इन्होंने आखिरी लड़ाई पृथ्वीराज चौहान के खिलाफ लड़ी थी। कहा जाता है कि इस लड़ाई में पृथ्वीराज हार गए थे, लेकिन गुरु गोरखनाथ के आदेश पर इन्होंने पृथ्वीराज को जीवनदान दे दिया। इसके बाद इन्हें वैराग्य हो गया और इन्होंने संन्यास ले लिया।

दिल्ली से भोपाल तक वक्फ संशोधन बिल पर मनाई खुशियां

वक्फ बिल पर मोदी का मास्टर स्ट्रोक

- वक्फ की ठेकेदारी खत्म अब किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर सकेगा
- केंद्र ने वक्फ अधिनियम की धारा 40 को हटाया
- शाह ने विपक्ष पर साधा निशाना, आप लोग देश तोड़ दोगे
- विधेयक को विपक्ष ने बताया विभाजनकारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में आज 11 घंटे वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा हुई। लगातार सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे ने बिल को लेकर आरोप जड़े। वहीं समाचार लिखे जाने तक लोकसभा में बिल पर चर्चा जारी थी। समझा जा रहा है कि TDP-JDU के सपोर्ट से सरकार के पक्ष में नंबरगेम होगा और सदन में यह वोटिंग के जरिए बिल पास होगा।

इसके पूर्व लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के तमाम आरोप पर करारा पलटवार किया है। इस दौरान उन्होंने इस बिल को लेकर फैलाए जा रहे सभी भ्रम को एक-एक करके दूर भी किया। अपने संबोधन के शुरुआत में उन्होंने कहा - वक्फ के खिलाफ भ्रम फैलाया गया, कई सदस्यों के मन में वक्फ बिल पर भ्रांतियां है। शाह ने इस दौरान कहा- वक्फ शब्द का अर्थ अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान है, वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड 1995 से है, लेकिन वोट बैंक के लिए विपक्ष वक्फ बिल का विरोध कर रहा है। गृह मंत्री ने साफ-साफ कहा कि, वक्फ बोर्ड में एक भी गैर मुस्लिम नहीं आएगा। गृह मंत्री ने आगे कहा कि- अगर 2013 में संशोधन नहीं होता तो ये बिल नहीं आता। उस दौरान संशोधन करके दिल्ली के लुटियंस की 125 संपत्तियां वक्फ को दे दीं गई। गृह मंत्री ने कहा- वक्फ बिल वक्फ की जमीन के रख-रखाव के लिए है। अगले चार साल सभी मुस्लिम समझ जाएंगे इस बिल का क्या फायदा होगा। लेकिन विपक्ष इस बिल को लेकर अफवाह फैला रहा है। इस बिल को लेकर मुस्लिम भाइयों डराया जा रहा है। इस दौरान फिर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- अपनी संपत्ति का दान किया जाता है, सरकारी जमीन का नहीं, मंदिर या मस्जिद और चर्च सरकारी जमीन पर नहीं बन सकते हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में उतारा मुस्लिम समाज

भोपाल। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश हो गया है। विधेयक में किए गए प्रावधानों से देश भर में मुस्लिम समाज खुश और उत्साहित है। इसकारण मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर उतरकर मुस्लिम

समुदाय के लोग संशोधन विधेयक का समर्थन करते दिखाई दिए हैं। केंद्र द्वारा बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक केंद्रीय कानून मंत्री ने पेश किया है। इस लेकर राजनीतिक दल दो हिस्सों में बटे हुए हैं, एनडीए के साथी विधेयक को मुस्लिम समाज के हित में बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल विधेयक को मुस्लिमों के हक पर प्रहार बता रहे हैं।

वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद करेंगे ये काम

अमित शाह ने कहा कि, वक्फ बोर्ड में जो संपत्तियां बेच खाने वाले, सौ-सौ साल के लिए औने-पौने दाम पर किराए पर देने वाले लोग है, वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद उन्हें पकड़ने का काम करेगा। उन्होंने आगे बताया कि 1913 से 2013 तक वक्फ के पास 18 लाख एकड़ जमीन थी। 2013 से 2025 के बीच 21 लाख एकड़ भूमि बढ़ गई। अब 39 लाख एकड़ भूमि है। कई संपत्तियां बेच दी गईं, लेकिन किसकी इजाजत से?

सड़कों के मेंटेनेंस,निरीक्षण में एप, जियो टैगिंग, एआई का उपयोग करें : सीएम

विधायकों-पंचायत प्रतिनिधियों से पूछकर बनाएं गांवों की सड़कें

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राज्य सरकार ने तय किया है कि अब सड़कों के निर्माण को लेकर विधायकों और जिला-जनपद व ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से प्रस्ताव लेकर काम कराए जाएंगे। इसके आधार पर गांवों की बसाहटों को भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाएगा। यह काम अगले तीन सालों में पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा बैठक में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों की सुगम आवाजाही और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की सौ फीसदी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने का काम टाइम लिमिट में किया जाए। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए।

राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने का काम करेगी। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति अलर्ट मोड में तेजी से कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन बढ़ाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

26798 बसाहटों में कनेक्टिविटी के लिए होगा काम

बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी हो गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में बताया गया कि सामान्य मरम्मत के कामों का एस्टीमेट तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था समवेग पोर्टल के माध्यम से करने की भी जानकारी दी गई।

मंडला जिले में हॉकफोर्स के साथ मुठभेड़ में 2 कुख्यात महिला नक्सली ढेर

एमपी को अतिवाद मुक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती को नक्सल गतिविधियों से मुक्त करने के लिए राज्य पुलिस बल का अभियान तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि मंडला जिले में नक्सली कार्यों में संलिप्तों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में हमारे हॉकफोर्स के जवानों ने 14-14 लाख रुपए की इनामी 2 महिला नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की शिनाख्त प्रतिमा और ममता नाम से हुई है। इनके कब्जे से हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को दिये संदेश में नक्सलवाद के खात्मे पर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया और उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंसक गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नक्सलवाद को जड़ से सफाये के लिए चलाए जा रहे अभियान में हमारे जवान पूरी सक्रियता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। मध्यप्रदेश की पावन धरा में नक्सलियों के लिए कोई स्थान नहीं है।

भारतीय लोकतंत्र के हित में होगा एक राष्ट्र, एक चुनाव : सुनील बंसल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज़्म द्वारा स्वामी विवेकानंद स्मृति राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर बुधवार को डीयू के वाइस रीगल लॉज स्थित कन्वेंशन हॉल में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव भारतीय लोकतंत्र के लिए हितकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि सुधार की प्रक्रिया निरंतर होती है और देश की व्यवस्थाओं को समय अनुसार अनुकूलन के लिए सुधार होते रहते हैं।

नीमच में 13 को राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक सम्मेलन में अमित शाह शामिल होंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाने के लिए सहकारिता का विस्तार करना आवश्यक है और इसके लिए गांव-गांव में दुग्ध उत्पादक समितियों और संघों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को समत्व भवन में 13 अप्रैल को नीमच में होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाने के लिए सहकारिता का विस्तार करना आवश्यक है और इसके लिए गांव-गांव में दुग्ध उत्पादक समितियों और संघों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में जैविक उत्पादों और गौवंश जनित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इन उत्पादों का उचित बाजार मिले और दुग्ध उत्पादकों को लाभ हो। साथ ही, उन्होंने दुग्ध उत्पादकों को प्रति लीटर पांच रुपये बोनस देने पर विचार किया। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री लखन पटेल ने बताया कि सम्मेलन में गौसेवा के लिए पुरस्कार दिए जाएंगे और देसी नस्ल की गायों की दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता भी होगी। प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने जानकारी दी कि सम्मेलन में प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसमें नवीन ब्रीडिंग तकनीकों और पंचगव्य उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

संदलपुर-नसरुल्लागंज बाईपास भी लिस्ट में, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने एक्स पर दी जानकारी

मप्र के 4303 करोड़ के चार रोड प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

भोपाल ■ प्रतिनिधि

केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय ने भोपाल जिले में संदलपुर-नसरुल्लागंज बायपास और भोपाल-कानपुर कॉरिडोर में विदिशा-सागर सहित प्रदेश में कुल चार प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मध्यप्रदेश के लिए स्वीकृत की गई 4303 करोड़ रुपए की नई सड़कों के बारे में बुधवार को जानकारी दी। इन 4 प्रोजेक्ट के जरिए बाईपास के रूप में मप्र में 102 किमी सड़कों का निर्माण होगा।सागर शहर में लगने वाले जाम से भी लोगों को निजात मिलेगी। यहां 4 लेन ग्रीन फील्ड बायपास बनाया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर गडकरी ने एमपी के लिए मंजूर 4 प्रोजेक्ट की जानकारी दी है। इसमें मुरैना-ग्वालियर, सागर, भोपाल-सीहोर और विदिशा-सागर रोड पर बायपास बनाने के प्रोजेक्ट शामिल हैं। यहां कुल 102 किमी सड़कों का निर्माण होगा, जिस पर 4302.93 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। एक अन्य ट्वीट में गडकरी ने कहा है कि इसी तरह प्रदेश के विदिशा और सागर जिले में राहतगढ़ से बेरखेड़ी तक राष्ट्रीय राजमार्ग-146 के 10.079 किमी हिस्से को 4-लेन बनाने के लिए 731.36 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। यह परियोजना राहतगढ़ के घनी आबादी वाले शहर को बाईपास करेगी और निर्बाध और तेज कनेक्टिविटी बनाएगी।

भोपाल के संदलपुर नसरुल्लागंज बायपास के लिए 1535.66 करोड़

भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बाईपास तक 1535.66 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग- 146 बी के 43.200 किमी लंबाई के सेक्शन को 4-लेन बनाने के लिए साथ स्वीकृति दी गई है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-47, राष्ट्रीय राजमार्ग-46 और राष्ट्रीय राजमार्ग-45 इन तीन राजमार्गों को कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके बनने से अत्यधिक भीड़भाड़ वाले पार्ट को पेव्ड शोल्डर सहित 4-लेन तक चौड़ा करने से लंबे मार्ग के ट्रैफिक और माल ढुलाई की स्थिति में सुधार होगा। जिससे सुरक्षित आवाजाही और यात्रा के समय में कमी आएगी।

शराबबंदी के लिए शुरू हुई धरपकड़, दबिश देकर महिला सहित पांच लोगों को लिया हिरासत में

उज्जैन। एक अप्रैल से शासन ने धार्मिक नगरी उज्जैन में शराब विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। शराब की दुकानें और बीयर बार बंद हो चुके हैं।

नियम को लागू करने के लिए पुलिस द्वारा अवैध तरीके से शराब विक्रय करने वाले तस्करों की धरपकड़ शुरू की गई है। बुधवार को महाकाल थाना पुलिस ने एक महिला सहित पांच लोगों को पकड़कर 40 हजार रुपये की शराब जब्त की है। पुलिस ने शहर में शराब विक्रय प्रतिबंध लागू होने के साथ ही प्रवेश मार्गों व प्रमुख चौराहों पर चैकिंग अभियान भी शुरू किया है। महाकाल थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भूखी माता मंदिर के आगे खेत की मेढ़ के पास दबिश देकर यहां से गोंसा भैरवगढ़ निवासी कमलाबाई पति पप्पू बंजारा को 38 क्वार्टर देशी प्लेन शराब के साथ पकड़ा। इसके अलावा पुलिस ने भूखी माता रोड, लालपुल रेलवे पटरी के पास और शिप्रा नदी के किनारे भी दबिश देकर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया।

कौशल विकास की प्रमुख दो योजना

प्रदेश में हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में करियर काउंसलिंग की सुविधा

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिये करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उचित चयन श्रेष्ठ करियर कार्यक्रम में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हो पाये हैं। उनके अभिभावकों को विद्यालय बुलाकर उसी कक्षा में प्रवेश के लिये काउंसलिंग की जा रही है।

ऐसे विद्यार्थी जो आगे की पढ़ाई निरंतर नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें हार के आगे जीत कार्यक्रम में आईटीआई

पाठ्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की जानकारी देकर उन्हें व्यावसायिक शिक्षा से जोडने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर और करियर काउंसलर की सेवा लेने के लिये कहा गया है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में देशभर में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। इस योजना में 3 माह, 6 माह और एक साल के लिये युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाता है। कौशल संबंधी कोर्स पूरा करने के बाद सर्टिफिकेट दिये जाने का प्रावधान है। यह सर्टिफिकेट पूरे देश में मान्य होता है। इस योजना में भी प्रशिक्षण के बाद ऋण प्राप्त करने की सुविधा है। इस योजना में केन्द्र सरकार ने कई टेलिकॉम कंपनियों को इस कार्य के लिये अपने साथ जोड़ रखा है। मोबाइल कंपनियां इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों को मेसेज करके एक फ्री टोल नंबर देंगी, जिस पर केंडिडेट को मिस्ड कॉल देना होगा।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना

इस योजना में आवेदकों को अपनी ग्राम पंचायत ग्राम रोजगार सेवक के साथ दाखिला लेने की आवश्यकता है। आवेदक को ट्रेनिंग सेंटर के बारे में जानकारी मिलेगी। इसके लिये आवेदक को आवश्यक पहचान-पत्र, इनमें मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य जानकारी रोजगार सेवक को देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण के बाद ऋण उपलब्ध कराने में आवेदक को पूरी मदद दी जायेगी।

दो आदतन आरोपियों से लाखों की शराब जप्त

बोलेरो से कर रहे थे शराब तस्करी, क्राइम ब्रांच ने दबोचा

भोपाल ■ निसं

राजधानी की क्राइम ब्रांच ने दो ऐसे शराब तस्करो को दबोचा है, जो पुलिस की नजरो से बचने के के लिये बोलेरो वाहन से शराब तस्करी कर रहे थे। आरोपियो के पास से अग्रेंजी शराब सहित 2 लाख कीमत की 180 लीटर अवैध शराब जब्त की है। शराब के साथ ही पुलिस ने बोलेरो वाहन भी जप्त किया है। आरोपी शहर के सीमावर्ती इलाकों में अवैध शराब की तस्करी करते थे। उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी, कि दो युवक सफेद रंग की बोलेरो में शराब रखे हुए है,

जो बेचने की फिराक में सरस्वती नगर मल्टी के पीछे थाना टीटी नगर में खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और बोलेरो जीप नजर आने पर घेराबंदी जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। ड्राइवर सीट पर बैठे लड़के से नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम दीपक कुचबदिया पिता थान सिंह कुचबदिया (33) निवासी अटल अयुब नगर थाना गौतम नगर भोपाल और बगल वाली सीट पर बैठे युवक के ने अपना नाम छविकांत सिरोडे पिता अर्जुन सिरोडे (26) निवासी शंकर नगर एफसीआई गोदाम के पीछे थाना छोलामंदिर भोपाल का बताया। बोलेरो की तलाशी लेने पर कार में बीच वाली सीट व पीछे की सीट पर 20 पेटी बैग पाइपर विस्की मिली जिसके संबंध में दोनो संदेहियों से पूछताछ करने पर वह शराब स्वयं की होना बताया दोनों आरोपियो को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया की पकड़े गये तस्कर निजी काम करते है, और आदतन अपराधी है, उनके खिलाफ अलग-अलग थानो में कई प्रकरण दर्ज है।

संक्षिप्त समाचार

रोजा इफ्तार में गया था परिवार, चोरों ने सूने मकान से उड़ा दिये नगदी, जेवरात

भोपाल। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित बाग उमराव दूल्हा में अज्ञात बदमाश ने सूने मकान को अपना निशाना बनाकर हजारो की नगदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय पीड़ित परिवार रोजा इफ्तार के लिए गया था। जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रायल शादी हाल के पास बाग उमराव दूल्हा ऐशबाग में रहने वाले अब्दुल्ला अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी (22) ने अपनी शिकायत में बताया की वह कार इलेट्रीशियन का काम करते है। वह अपनी मां फैहमिदा अंसारी, बड़े भाई हासिम अंसारी, भाभी सानिया अंसारी, भाई कासिम अंसारी के साथ बड़ी बहन के घर रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से लौटकर देखा तो उनकी मेरी भाभी सानिया अंसारी के कमरे के अंदर बेड में रखी बीस हजार की नगद और मां की सोने की दो रिंग गायब थी। परिवार वालो ने पहले अपने स्तर पर घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चैक कर आरोपी की पहचान जुटाने के प्रयास किये लेकिन फुटेज में कोई संदिग्ध नजर नहीं आने पर पुलिस में शिकायत की गई।

पड़ोसी ने किशोरी पर डंडे से किया हमला, नाबालिग का हाथ हुआ फ्रैक्चर

भोपाल। शहर के स्टेशन बजरिया इलाके में रहने वाली एक किशोरी पर पड़ोसी ने डंडे से हमला कर दिया। जिससे बच्ची का हाथ फैक्कर हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेंद्र नगर बजरिया में रहने वाली श्यामबाई (50) गृहणी हैं। दोपहर करीब दो बजे झुग्गी के बाहर से कुत्ते के भौंकने की आने पर वह अपनी बेटी किरण (14) के साथ बाहर निकली। उन्होनें देखा की एक आवारा कुत्ते ने पड़ोस में रहने वाली बच्ची को काट लिया था। उन्होंने किसी तरह कुत्ते को भगाया और पीड़ित बच्ची रोशनी से कहा की वह अपने घर परिजनो को इसकी जानकारी दे दे। रोशनी घर के अंदर गई, इसके बाद उसका पिता बृजेश यादव डंडा लेकर बाहर निकल आया। उसे लगा कि मां-बेटी की वजह से कुत्ते ने उसकी बच्ची को काटा है, इसलिए उसने उनसे गाली-गलौज करते हुए किरण के हाथ और पैर पर डंडे से मार दिया। श्यामबाई ने जैसै-तैसै बेटी को बचाया और उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया तो पता चला कि उसके दाहिने हाथ में फैक्चर हो गया है। पुलिस ने आरोपी बृजेश यादव के खिलाफ मामला कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद सदिंग्ध हालत में मौत हो गई। बताया गया है की घबराहट होने पर परिजन उसे इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहॉ डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार झुग्गी- 89, आदर्श नगर, अशोका गार्डन में रहने वाला दीपक राव पिता मोहनलाल (27) मेहनत-मजदूरी का काम करता था। बीती शाम करीब 7 बजे अचानक उसे सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत होने पर परिजन उसे नजदीक स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उसकी हालत को देखते हुए डॉक्टर ने जय प्रकाश अस्पताल ले जाने को कहा। परिवार वाले उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। पुलिस का कहना है की पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा, आशंका है की युवक की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है।

भोपाल नगर निगम का आज आएगा बजट

10 से 15% बढ़ सकता है जल और प्रॉपर्टी टैक्स, 3 साल पहले हुई थी बढ़ोतरी

भोपाल ■ निसं

भोपाल नगर निगम की बजट बैठक 3 अप्रैल को होगी। इसमें प्रॉपर्टी और जल टैक्स में 10 से 15 प्रतिशत बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि विपक्ष इसका लगातार विरोध कर रहा है। दरअसल तीन साल पहले जलकर बढ़ाया गया था।

भोपाल नगर निगम का 3 अप्रैल को बजट बैठ होगी। बजट बैठक में प्रॉपर्टी और जल टैक्स में 10 से 15 प्रतिशत बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि विपक्ष इसका लगातार विरोध कर रहा है। दरअसल तीन साल पहले जलकर बढ़ाया गया था। जिसमे जलकर 15 फीसदी यानी, 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। अबकी बार भी 10 फीसदी तक जलकर बढ़ सकता है। प्रॉपर्टी और जल टैक्स में बढ़ोतरी के पीछे नगर निगम की आर्थिक तंगी बताई जा रही है।

अगर कर बढ़ा तो जनता पर इतना पड़ेगा बोझ: अगर 3 साल बाद अब जलकर की राशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो,शहरवासियों को प्रति माह 230 से 240 रुपए तक देना पड़ सकता हैं। अभी 210 देने पड़ते हैं। यानी 20 से 30 रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। मार्च 2022 को आखिरी बार जलकर बढ़ा था। तब 180 की जगह जलकर के रूप में प्रति माह 210 रुपए लिए जाने का निर्णय हुआ था। वहीं प्रॉपर्टी टैक्स में भी बढ़ोतरी होने की बात कही जा रही है। जिन लोगों के मकान 2400 स्क्वायर फीट तक क्षेत्र में बने हैं, उनसे 210 रुपए प्रतिमाह लिए जा रहे हैं। तीन साल पहले प्रतिमाह 30 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, जो मकान 2400 स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र में बने हैं, वे 300 रुपए प्रतिमाह चुका रहे हैं। निचली आय वर्ग के लोगों को 30 रुपए प्रतिमाह की जल प्रभार शुल्क देना पड़ता है। जबकि बल्क कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ता को फायदा मिल सकता है। अभी बल्क कनेक्शन के 35 हजार रुपए लगते हैं, इसे 15 से 20 हजार रुपए किया जा सकता है। यह राशि सीधे आधी हो जाएगी।

जाने कितना था पिछला बजट

भोपाल नगर निगम का पिछला बजट 3353 करोड़ रुपए का पेश हुआ था। इस बजट में कोई भी टैक्स नहीं बढ़ाया गया था। तब भी जल कर बढ़ाने की संभावना थी, पर विरोध के चलते ऐसा नहीं हो सका था। अवैध से वैध हुई कॉलोनियों में विकास कार्य कराए जाने के लिए करोड़ों रुपयों का प्रावधान जरूर किया गया था। वहीं, डोर-टू-डोर कचरा इकट्ठा करने के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने का प्रावधान भी था। इस प्रस्ताव के तहत निगम ने 100 से अधिक इलेक्ट्रिक रिक्शा खरीदे हैं। प्रॉपर्टी टैक्स में जितनी राशि मिलेगी, उसमें से 50 फीसदी उसी वार्ड में खर्च होंगी। कंवेंशन सेंटर 10 करोड़ रुपए और तालाबों को संवारने के लिए 5 करोड़ रुपए खर्च करने के प्रस्ताव भी बनाए थे। वहीं, राजधानी की सभी मुख्य सड़कों पर हरिगेज गेट बनाने का प्रस्ताव था। इस पर अमल नहीं हुआ है। निगम कर्मियों के 10वीं और 12वीं की मैरिट लिस्ट में आने वाले बच्चों को 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने के प्रस्ताव का अमल में लाया जा चुका है।

कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी आज फिर सड़कों पर उतरे

भोपाल ■ निसं

कुकुट विकास निगम के संविदा कर्मचारियों ने कुकुट विकास निगम के संचालक मंडल से पारित सामान्य प्रशासन विभाग ने 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति के आदेश जारी करने के लिए 1 जनवरी 2025 से 7 जनवरी 2025 तक 7 दिन की अनिश्चित कालीन हड़ताल परिवार बच्चो सहित कुक्कुट विकास निगम के मुख्यालय के सामने मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर के नेतृत्व में की थी, जिसके बाद कुक्कुट विकास निगम के प्रबंधन ने लिखित में आश्वासन दिया था कि हम 7 दिवस में 22 जूलाई 2023 की संविदा नीति के आदेश कर देंगे। संविदा कर्मचारियो ने 1 सप्ताह की बजाए 3 महीने इंतजार किया 3 बीतने के बाद भी कुकुट विकास निगम के प्रबंधन ने आज तक आदेश जारी नहीं किए जिसके कारण कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी आज फिर से सड़को पर उतर आए और कुक्कुट विकास निगम मुख्यालय के सामने हड़ताल प्रदर्शन और नारे बाजी की।

गौरतलब है कि कुक्कुट विकास निगम में संविदा नीति लागू किए जाने के लिए समान्य प्रशासन विभाग भी अपना अभिमत दे चुका है कि 22 जुलाई 2023 की संविदा की कंडिका क्रमांक 3.1 से 3.5 के अनुसार कार्यवाही कर सकता है। संचालक मंडल की बैठक के निर्णय के बाबजूद और समान्य प्रशासन के अभिमत के बावजूद अभी तक आदेश जारी नहीं हो सके। जिसके कारण कुक्कुट विकास निगम के संविदा कर्मचारी 3 महीने बाद मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रमेश राठौर के नेतृत्व में फिर से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठ गए है। आज राज्य पशु एवं कुक्कुट विकास निगम पर कर्मचारियों ने अपने वेतनमान लागू करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। जब मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया।

संघ के प्रमुख प्रदर्शनकारी

इस आंदोलन में अंकित पाठक, अक्षय राजपूत, प्रणय सक्सेना, प्रदेश नंदनवार, प्रणव कल, दीपक शर्मा, प्रमोद, वैशाली पटेल, आस्था यादव, सावित्री, सिद्धांत गुप्ता, दीपक बलेचा, संजय सैनी, नारायण प्रताप, राम अवतार, राधे राधे गौर, श्याम सिंह, सविता, पंडित कन्हैया लाल सहित कई कर्मचारी शामिल हैं।

संगठन को मजबूत करने की कवायद

अब कांग्रेस शुरू करेगी कार्यकर्ता पंचायत

भोपाल ■ निसं

मप्र में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ मिलकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत अब कार्यकर्ता पंचायत का आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। इसमें बूथ स्तर के कार्यकर्ता को अपने मन की बात कहने की छूट दी जाएगी। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। जानकारी के अनुसार इसी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। जीतू पटवारी का मानना है कि इससे गुटबाजी पर भी लगाम लगेगी। दिल्ली की बैठक से लौटने के बाद पटवारी ने कार्यकर्ता पंचायत के नाम से हर जिले में जाने की तैयारी की है, ताकि निचले स्तर के कार्यकताओं और नेताओं से वे उनके मन की बात जान सके।

कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे जीतू पटवारी: पीसीसी चीफ जीतू पटवारी

कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने के लिए हर जिले के दौरे का प्लान बना रहे हैं। इसके तहत वे कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे और उनकी शिकायतों को लेकर बात करेंगे। दरअसल पटवारी खुद कांग्रेस में गुटबाजी को कैंसर बता चुके हैं, जिसको लेकर उन्हें अपने ही नेताओं की आलोचना का शिकार होना पड़ा है।

इस अभियान के तहत पटवारी कार्यकर्ताओं से उस जिले या क्षेत्र में कांग्रेस की मौजूदा परिस्थिति की जानकारी भी लेंगे। जिस तरह से कांग्रेस को करारी हार का सामना विधानसभा और लोकसभा में करना पड़ा। उसके कारण क्या रहे, इस पर भी चर्चा की जाएगी।

प्रदेश के बड़े नेताओं का शुरू होगा दौरा

एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने जब से पद संभाला है, सभी नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आते ही शुरुआती दौर में ही कह दिया है कि किसी प्रकार की गुटबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। जमीन पर काम करने वाले नेताओं को ही तवज्जो दी जाएगी। इसी कड़ी मे एमपी कांग्रेस के बड़े नेताओं के हर जिले में जाने का प्लान तय किया गया है। इसकी तैयारी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में चल रही है कि किन जिलों का दौरा पहले हो।

पत्नि की मौत से दुखी पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता ट्रांस्पोर्ट नगर में रहने वाले एक युवक ने बीती शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है की चार साल पहले मृतक की पत्नी का देहांत हो जाने के बाद से घर और तीनों बच्चों की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। पुलिस के अनुसार लक्ष्मण प्रजापति पिता उमराव प्रजापति (42) ट्रक पर क्लीनर का काम करता था। उसके तीन बच्चे हैं। उसकी पत्नी की मौत करीब चार साल पहले हो चुकी है। लक्ष्मण का बड़ा बेटा 17 साल का है। उसने पुलिस को बताया कि बीती शाम पिता ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर लक्ष्मण के शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। बेटे ने पुलिस का बताया कि मां की मौत के बाद पिता काफी परेशान रहते थे, इसके साथ ही परिवार की सारी जिम्मेदारी उन पर आ जाने के कारण वह काफी मानसिक तनाव में रहने लगे थे।

बाबू को सस्पेंड किए जाने पर नारेबाजी, प्रदर्शन

सतपुड़ा भवन के आदिम जाति कल्याण विभाग में हंगामा

भोपाल ■ निसं

सतपुड़ा भवन में आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर से नाराज कर्मचारियों ने बुधवार को दफ्तर में जमकर हंगामा कर दिया। कर्मचारियों की नाराजगी एक बाबू को सस्पेंड किए जाने को लेकर थी। नाराज कर्मचारियों की नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच आखिरकार अफसरों को समझौता बैठक बुलानी पड़ी। लेकिन प्रदर्शन कर रहे कर्मचारी बंद कमरे में चर्चा करने को लेकर तैयार नहीं हैं।

मंत्रालय के समीप सतपुड़ा भवन में यह हंगामा बुधवार सुबह दफ्तर खुलने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद एकजुट हुए कर्मचारी अधिकारी के विरुद्ध प्रदर्शन और नारेबाजी करने के लिए एकजुट हो गए। जमकर हंगामे और नारेबाजी के बीच कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए दोपहर 12 बजे अधिकारी इस मामले में समझौता

बैठक के लिए तैयार हुए। लेकिन कर्मचारी संगठन और कर्मचारी बंद कमरे में बैठक करने के बजाय खुले में चर्चा करने के लिए दबाव बनाते रहे। घटना को लेकर कर्मचारियों का कहना है कि बुधवार सुबह आदिम जाति कल्याण विभाग के कमिश्नर श्रीमन शुक्ला ने एलडीसी हर्षपाल को फोन किया और कहा कि जल्दी आफिस आ जाओ, आदेश टाइप करना है। बाबू हर्षपाल ने कहा कि आता हूं। इसके बाद वह दस बजे पहुंचा तो कमिश्नर शुक्ला ने उसे डांटते हुए भला बुरा कहा और बोतल उस पर फेंककर मारी।

घरेलू कंटेनर की लोडिंग में 19.72 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

भारतीय रेलवे ने पिछले वर्ष की तुलना में सभी वस्तुओं में 1.68% की वृद्धिशील लोडिंग दर्ज की

भोपाल ■ निसं

भारतीय रेलवे थोक वस्तुओं के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है जो उद्योग और ऊर्जा के लिए आवश्यक हैं - बिजली संयंत्रों के लिए कोयला, विनिर्माण और निर्माण के लिए लौह अयस्क और तैयार स्टील, सीमेंट, राष्ट्रीय वितरण के लिए खाद्यान्न, कृषि के लिए उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों। लंबी दूरी और थोक वस्तुओं के लिए, रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में अधिक किफ़ायती रहा है। यह व्यवसायों के लिए समग्र रसद लागत को कम करने

में मदद करता है, जिससे भारतीय सामान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाता है। इसके अलावा, रेलवे देश भर में खानों, कारखानों, कृषि क्षेत्रों और बंदरगाहों को बाजारों से जोड़ता है, जिससे निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला सक्षम होती है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेलवे ने लगभग 1617.38 मीट्रिक टन प्रारंभिक माल ढुलाई हासिल की, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1590.68 मीट्रिक टन की तुलना में, 26.70 मीट्रिक टन (1.68प्रतिशत) की वृद्धिशील लोडिंग दर्ज की।

घरेलू कोयले के लिए लोडिंग में 7.4न की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि घरेलू कंटेनर के लिए लोडिंग में 19.72प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उर्वरक के लिए लोडिंग में 1.25प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पीओएल लोडिंग ने 0.61प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। गनी बोरे, हॉट रोल्ड कॉइल, सिरेमिक टाइलें, वॉल केयर पुट्टी और चावल घरेलू कंटेनर में पांच प्रमुख वस्तुएं हैं।

क्षेत्रीय रेलवे द्वारा प्राप्त लोडिंग के संदर्भ में, पूर्व रेलवे ने 16.11 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने 7.28 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 4.21प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। उत्तर रेलवे ने 3.89प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। पूर्व मध्य रेलवे ने 2.82 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण मध्य रेलवे ने 2.14 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। पूर्व तटीय रेलवे ने 1.19प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण रेलवे ने 0.80प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। दक्षिण पूर्व रेलवे ने 0.36प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।भारतीय रेलवे द्वारा कोयले की प्रभावशाली लोडिंग के कारण, भारत में पावर हाउसों का स्टॉक 57 मीट्रिक टन तक पहुंचाया गया।

बदमाश ने युवकों पर किया चाकू से हमला

भोपाल ■ निसं

कोलार थाना इलाके में स्थित बंजारी मैदान पर एक बदमाश ने तीन युवकों पर चाकू से घातक हमला कर उन्हें घायल कर दिया। बताया गया है की तीनों युवक आपस में बातीचत कर रहे रहे थे, उसी समय वहॉ पहुंचा आरोपी बिना कारण उनके साथ दुर्व्यवहार करते हुए अनगर्ल बातें कहने लगा।

जब युवकों ने उसे समझाइश देते हुए वहॉ से जाने को कहा तब आरोपी गुस्सा हो गया। और अपने पास रखा चाकू निकालकरर तीनों पर ताबड़तोड़ वार कर दिये। चाकू लगने से तीनों को गंभीर चोट आई है। पुलिस के अनुसार सचिन सोमकुंवर (29) ने बताया की वह न्यू अम्बेडकर नगर, कोलार में रहता है। 31 मार्च की रात करीब 9 बजे अपनी मौसी के बेटे विनोद सोमकुंवर के साथ्र बंजारी दशहरा मैदान आया था यहॉ विनोद, आशीष टांडेकर और सचिन तीनों आपस मे बातचीत कर रहे थे। उसी समय मोहल्ले का रहने वाला अनिल पोर्ते उर्फ कालू वहां पहुंच गया। वह उनके बारे आपत्तिजनक बाते कहने लगा।

संक्षिप्त समाचार

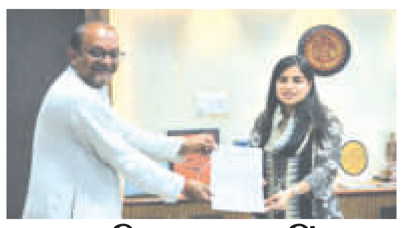

नगर पालिका अध्यक्ष रिंकू जैन ने कलेक्टर सोनिया मीणा से विस्तृत चर्चा की

सिवनी मालवा । स्थानीय नगर पालिका अध्यक्ष रितेश रिंकू जैन के द्वारा बुधवार को नर्मदा पुरम कलेक्टर सोनिया मीणा से जिला कार्यालय में मिलकर सिवनी मालवा नगर के विकास कार्यों, भूमिआवंटन, परिसीमन, गौशाला, शराब दुकान स्थानांतरण, कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर, संजीवनी क्लिनिक प्रारंभ करने पर विस्तृत चर्चा की गई चर्चा में कलेक्टर द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई कर करने का आश्वासन देकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन नर्मदा पुरम कलेक्टर सोनिया मीणा का आभार मानते हुए कहा कि नगर के विकास कार्यों को शीघ्र ही कई नई सौगातें मिलने से शहर के नागरिकों माता बहनों को नई सुविधा प्राप्त होगी ।

अस्पताल के बाथरूम में मिला महिला का शव

मंदसौर। मंदसौर जिला अस्पताल के महिला वार्ड के बाथरूम में 70 वर्षीय मरीज अवंताकुंवर की खून से सनी लाश मिली। परिजनों ने गंदगी के कारण गिरने से मौत का आरोप लगाया। स्टाफ ने तुरंत सफाई कर दी। पोते रामसिंह ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। मंदसौर जिला अस्पताल के फीमेल मेडिकल वार्ड के बाथरूम में एक वृद्ध महिला मरीज की खून से सनी लाश मिली। परिजनों ने अस्पताल के स्टाफ को इसकी सूचना दी। मेडिकल स्टाफ ने जांच की तो महिला की मौत हो चुकी थी। जब महिला को चेकअप के लिए एमरजेंसी वार्ड में लाए तो इसके बाद अस्पताल स्टाफ ने गंदगी से सने बाथरूम को कुछ ही मिनट में चकाचक कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि बाथरूम में गंदगी होने के कारण महिला जब शौच के लिए गई होगी तो गिर गई होगी। इसी कारण मौत हुई है। अगर अस्पताल में साफ-सफाई होती तो ये हादसा नहीं होता। जानकारी के अनुसार अवंताकुंवर पति शंभुसिंह निवासी ग्राम पलासिया थाना भावगढ़ (70) को उपचार के लिए जिला अस्पताल में 31 मार्च को भर्ती किया था।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनता ने की भागीदारी

जबलपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जबलपुर जिले में श्रमदान कर पुराने तालाबों, नर्मदा के तटों की सफाई के अलावा जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। जिले की 527 ग्राम पंचायतों में इस अभियान के तहत कार्य चल रहे हैं। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का यह अभियान 30 मार्च से शुरू हुआ है और 30 जून तक चलेगा। जिला पंचायत के एडिशनल सीईओ मनोज सिंह के अनुसार, कुंडेश्वरधाम में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उज्जैन में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

सीएम का पुतला फूंक रहे थे, प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर सरपंच को पीटने का आरोप

पिपरिया ■ निसं

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की जमानत का विरोध और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने उज्जैन में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव का पुतला जलाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सरपंच जीवन मालवीय की पिटाई कर दी। घायल सरपंच जीवन मालवीय ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ मारपीट की।

पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प: बता दें कि भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके साथियों को जमानत मिल गई है। लोकायुक्त ने कोर्ट में अब तक उनके खिलाफ चार्ज शीट पेश नहीं की है। आरोपियों को जमानत मिलने के बाद प्रदेश कांग्रेस की ओर से किए गए आव्हान पर बुधवार दोपहर को उज्जैन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने क्षीर सागर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा और सीएम का पुतला जलाया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसी आपस में भीड़ गए।

प्रदर्शन में कांग्रेस समर्थित सरपंच की पिटाई

कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित हुए विधायक महेश परमार, मुकेश भाटी, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, ललित मीणा सहित कांग्रेस के अन्य नेता की मौजदूगी में प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस बीच उन्हेल के पास बड़लाई के सरपंच जीवन मालवीय पुतला लेकर पहुंचे और उन्होंने उसमे आग लगा दी।

कांग्रेस के इस प्रदर्शन को लेकर पुलिस ने बेरिकेडिंग कर सभी ओर से रास्ते बंद कर दिए थे। एक फायर फाइटर समेत फायर ईस्टंगिशर और भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एडिशनल एसपी नीतेश भार्गव ने कहा,

सरकार पर भ्रष्टाचारी को संरक्षण का आरोप

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि प्रदेश में जिस तरह से परिवहन घोटाला हुआ है, उसमें लोकायुक्त और शासन ने सरकार का पक्ष तक नहीं रखा। इसमें तत्कालीन मंत्री से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री तक सभी शामिल हैं। सौरभ शर्मा को जमानत क्यों मिल गई, जबकि एक तरफ किलो में सोना और करोड़ों रुपए बरामद हुए। लोकायुक्त और भाजपा सरकार सौरभ शर्मा को संरक्षण दे रही है। विपक्ष पूरे प्रदेश में इस मिलीभगत के खिलाफ प्रदर्शन कर इसे उजागर कर रहा है।

पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की, लेकिन तब तक पुतले में आग लग चुकी थी। हालांकि पुलिस ने उसे पूरा जलने नहीं दिया। इस बीच पुतला छीन रही पुलिस ने सरपंच को जमकर पीट दिया। सरपंच को पीटता देख कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसे पुलिस से बचाया।

ब्राह्मण महिला मंडल ने मनाया गणगौर उत्सव, निकाली शोभायात्रा

माखननगर ■ निसं

भगवान शिव व माता पार्वती के प्रतीक स्वरूप माने जाने वाले गणगौर उत्सव होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से प्रारंभ होकर चैत्र शुक्ल तृतीया तक चलता है। यह गणगौर उत्सव गणगौर विसर्जन के साथ समाप्त होता है।

इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए व कुंआरी लडकियां सुयोग्य व'के लिए यह व्रत उपासना करती हैं। इस पावन व्रत पर्व पर ब्राह्मण समाज की महिलाओं व युवतियों ने श्रृंगार के साथ पीले व लाल रंगों के परिधान पहनकर नृत्य करते हुए गीतों के साथ गणगौर की शोभायात्रा निकाली। जिसका समापन बालाजी मंदिर प्रांगण में स्थित प्राचीन बावड़ी पर किया गया। गणगौर का त्यौहार वैवाहिक सुख, समृद्धि एवं परंपरा का प्रतीक माना जाता है। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी।

शराबबंदी के लिए शुरू हुई धरपकड़, दबिश देकर महिला सहित पांच लोगों को लिया हिरासत में

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में 1 अप्रैल से शराब विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया है। पुलिस ने अवैध बिक्री रोकने के लिए चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। महाकाल थाना पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर 40 हजार रुपये की शराब जब्त की। रेस्टोरेंट संचालक भी गिरफ्तार हुआ, जांच अभियान जारी है।

एक अप्रैल से शासन ने धार्मिक नगरी उज्जैन में शराब विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। शराब की दुकानें और बीयर बार बंद हो चुके हैं। नियम को लागू करने के लिए पुलिस द्वारा अवैध तरीके से शराब विक्रय करने वाले तस्करों की धरपकड़ शुरू की गई है। बुधवार को महाकाल थाना पुलिस ने एक महिला सहित पांच लोगों को पकड़कर 40 हजार रुपये की शराब जब्त की है।

पुलिस ने शहर में शराब विक्रय प्रतिबंध लागू होने के साथ ही प्रवेश मार्गों व प्रमुख चौराहों पर चैकिंग अभियान भी शुरू किया है।

महाकाल थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भूखी माता मंदिर के आगे खेत की मेढ़ के पास दबिश देकर यहां से गोंसा भैरवगढ़ निवासी कमलाबाई पति पप्पू बंजारा को 38 क्वार्टर देशी प्लेन शराब के साथ पकड़ा। इसके अलावा पुलिस ने भूखी माता रोड, लालपुल रेलवे पटरी के पास और शिप्रा नदी के किनारे भी दबिश देकर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गोंसा निवासी रमेश पिता भुवान रैकवार, निकास चौराहा निवासी प्रिंस पिता देवीलाल यादव, मुल्लापुरा निवासी संदीप पिता बनेसिंह गेहलोत, भूखी माता चौराहा निवासी गणेश उर्फ गाना माली को गिरफ्तार कर कुल 404 क्वार्टर देशी शराब (कीमत 40 हजार रुपये) जब्त की गई है। संदीप गेहलोत के खिलाफ पहले से महाकाल थाना में चार आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं, जबकि गणेश माली के खिलाफ पूर्व से 8 आपराधिक रिकॉर्ड हैं।

शहर के प्रवेश मार्गों पर चैकिंग अभियान

दिनभर होटल-ढाबों पर तलाशी के बाद शाम को पुलिस ने शहर के प्रवेश मार्गों पर पाइंट लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी थी। बाहर से शहर में कोई शराब लेकर ना आ सके, इसको लेकर वाहनों की तलाशी ली जा रही थी। नीलगंगा पुलिस का पाइंट चिंतामण बायपास मार्ग पर लगा था। जहां कई वाहन चालक चैकिंग देख भागते दिखाई दिए।

मुरैना में लड़की को जबरन ले गए हथियारबंद लोग

मुरैना। मुरैना में 12 से ज्यादा हथियारबंद लोग 14 साल की लड़की को जबरन अपने साथ ले गए। वारदात हिंगोना खुर्द ग्राम पंचायत में मंगलवार-बुधवार की रात करीब 12 बजे की है। लड़की के परिजन ने बुधवार सुबह सिविल लाइन थाने पहुंचकर शिकायत की। एएसपी सुरेंद्र पाल सिंह दरबार ने कहा, %बच्ची को जबरन ले जाने का मामला सामने आया है। उसकी उम्र के संबंध में कोई स्पष्ट कागज नहीं मिले हैं। जांच की जा रही है। वहीं, परिजन ने कहा- 7 साल पहले बेटी की शादी कैमरा गांव के नेने नामक युवक से तय हुई थी। लड़का पसंद न आने के कारण हमने शादी से इनकार कर दिया था। वे जबरन शादी के लिए दबाव बना रहे थे। रात को घर की महिलाओं के साथ बेटी छत पर सो रही थी। इसी दौरान बोलेरो और मोटरसाइकिलों पर सवार हथियारबंद लोग पहुंचे।

बागेश्वरधाम में खुला पहला एटीएम, पं. धीरेंद्र शास्त्री ने पूजन कर किया शुभारंभ

छतरपुर ■ निसं

बागेश्वरधाम में ऋरूकी सुविधा शुरू हो गई है। दो मशीनें स्थापित की गई हैं, जिनका उद्घाटन पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्री ने किया। इससे श्रद्धालुओं को नकदी निकालने में सुविधा मिलेगी। पहले उन्हें 15-30 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था।

प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बागेश्वरधाम में अब ऋरूकी सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसका शुभारंभ धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्रकृष्ण शास्त्री ने विधिवत पूजन कर किया। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। यह पहला ऋरूस्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा द्वारा खोला गया है।

बागेश्वर धाम पीठ पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बैंक ने दो एटीएम मशीनें स्थापित की हैं, जिनका उद्घाटन पूज्य सरकार ने फीता काटकर किया। भविष्य में यहां बैंक की एक शाखा भी प्रारंभ की जाएगी, जिससे भक्तों को बैंकिंग सेवाओं की और अधिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

काफी दूर था एटीएम

बता दें कि पहले बागेश्वर धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं को नकदी निकालने में असुविधा होती थी। पैसे निकालने के लिए उन्हें 15 किलोमीटर दूर बमीठा या 30 किलोमीटर दूर छतरपुर जाना पड़ता था। अब ऋरूमशीन लगने से यह समस्या हल हो गई है। इसके अलावा, बैंक द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि इस शाखा में विदेशी मुद्रा विनिमय की सुविधा भी उपलब्ध हो, ताकि विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस सुविधा से बागेश्वर धाम आने वाले भक्तों को न केवल नकदी निकालने की सुविधा मिलेगी, बल्कि वे अन्य बैंकिंग सेवाओं का भी लाभ उठा सकेंगे। यह पहल धाम को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोकोमोटिव उत्पादन में बना नया कीर्तिमान

1681 लोकोमोटिव का उत्पादन करके भारत ने अमेरिका और यूरोप को पीछे छोड़ा

जबलपुर ■ निसं

देश में रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर 1681 हो गया है जो संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कुल लोको उत्पादन से भी अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के सभी लोकोमोटिव इकाइयों की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल भारत में 1472 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था। इस तरह इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 19त्न अधिक लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है।

मेड इन इंडिया की अवधारणा को मजबूत करने के उद्देश्य से लिए गए निर्णयों के आलोक में देश में लोकोमोटिव का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। 2004 से 2014 तक की अवधि में देश में कुल 4695 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था जिसका राष्ट्रीय वार्षिक औसत 469.5 रहा जबकि 2014 से 2024 के बीच देश में 9168 रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ और वार्षिक औसत करीब 917 रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1681 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। इस वर्ष चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में 700, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में 477, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में 304, मधेपुरा में 100 और मरहौरा में 100 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। देश में सबसे अधिक लोकोमोटिव मालगाड़ियों को चलाने के लिए उत्पादित किए गए।

भाजपा कार्यालय के पास बनी शराब दुकान हटी, शहर अध्यक्ष का दबाव काम आया

इंदौर ■ निसं

भाजपा कार्यालय के पास स्थित शराब दुकान को नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बंद करवा दिया है। ठेकेदार ने दुकान को खोलने के लिए कई प्रयास किए लेकिन मिश्रा ने उसे कड़ी चेतावनी दी कि भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी।

भाजपा कार्यालय के पास स्थित खुली शराब की दुकान को नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बंद करवा दिया। इस मामले में ठेकेदार ने भी कई प्रयास किए, लेकिन नगर अध्यक्ष ने उसे स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि किसी भी हालत में भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी।

ठेकेदार ने इस स्थिति में कई दबाव बनाने की कोशिश की लेकिन उसक कोई प्रयास काम नहीं आया। सुमित मिश्रा ने इसे नकारते हुए, ठेकेदार को स्पष्ट किया कि कार्यालय के पास ऐसी दुकान का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि यह भाजपा कार्यालय सभी के लिए मंदिर जैसा सम्मान रखता है।

ठेकेदार से अन्य जगह देखने को कहा: सुमित मिश्रा ने ठेकेदार को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान के लिए जगह नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने ठेकेदार को आसपास के क्षेत्र में दुकान के लिए अन्य स्थानों की भी तलाश करवाई।

पूर्व में भी हुआ था विरोध: भा.ज.पा. कार्यालय के पास शराब की दुकान के खुलने पर पिछले वर्ष भी विरोध हुआ था। हालांकि, आबकारी विभाग द्वारा दिए गए ठेके के बाद प्रशासन इसे बंद नहीं करवा पाता, क्योंकि इससे राजस्व का नुकसान होता है। इसी कारण शराब की दुकानें आसानी से शिफ्ट नहीं हो पातीं।

इस बार भी जावरा कम्पाउंड की उक्त शराब दुकान का ठेका किसी अन्य ने लिया था, लेकिन नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने स्पष्ट घोषणा की थी कि भाजपा कार्यालय के पास शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। उन्होंने कलेक्टर आशीष सिंह को भी इस बारे में सूचित किया था।

ग्वालियर में पुजारी को लाठी-डंडों से पीटा

मजाक में हुई बातचीत के बीच हुआ विवाद, घटना का सीसीटीवी आया सामने

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में मंदिर के पुजारी के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है, जिसमें करीब 5 से ज्यादा युवक पुजारी को बीच सड़क पर घेरकर लात-घूंसे, बेल्ट और लाठियों से पीटते दिखाई दे रहे हैं। यह घटना मोहना थाना क्षेत्र के बड़ागांव में 29 मार्च की रात की बताई जा रही है। मारपीट के दौरान पुजारी को हाथ-पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं, यहां तक कि उनके कपड़े तक फट गए। युवकों द्वारा की गई इस मारपीट की पूरी घटना पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

इसके बाद, पीड़ित पुजारी ने थाने जाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पुजारी की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीन नामजद सहित छह हमलावरों के खिलाफ मंगलवार रात को मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मजाक करने पर हुआ विवाद, पुजारी की पिटाई की

ग्वालियर के मोहना थाना क्षेत्र में मजाक-मजाक में हुए विवाद के बाद दो भाइयों ने मिलकर पुजारी के साथ मारपीट कर दी। 52 वर्षीय पुजारी महेश शर्मा पुत्र बुद्धाराम शर्मा ने बताया कि वह मोहना के पास बड़ागांव स्थित माता मंदिर के पुजारी हैं।

प्राचीन शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्र की पंचमी पर 56 भोग एवं महा आरती की गई

शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर पंचमी तिथि को पान का बीड़ा चढ़ाकर भक्तों ने पान का प्रसाद ग्रहण किया

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में चैत्र नवरात्र पूर्ण श्रद्धा पूर्वक मनाई जा रही है नगर के प्राचीनतम शीतला माता मंदिर शिवपुरी रोड पर चैत्र नवरात्रि की पंचमी तिथि पर शीतला माता एवं दुर्गा माता को पान का बीड़ा चढ़ाया गया और भक्तों के द्वारा आरती प्रसाद जी का पान का प्रसाद ग्रहण किया वही शाम को 7ः00 बजे श्रद्धालुओं के द्वारा माता को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर महा आरती का आयोजन किया गया महा आरती में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर शीतला माता जनकल्याण समिति के द्वारा मंदिर में प्रवेश एवं भक्तों की संख्या को देखकर विशेष व्यवस्था की गई जिससे कि कोई आवश्यकता ना करें भाई प्रशासन की ओर से चैत्र नवरात्र में मंदिर के पास महिला कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई ।

शीतला माता मंदिर खेड़ापति मंदिर एवं शंकर मंदिर में प्रातः से ही जल अर्पित करने मंदिर में कतार में लग रहे हैं। मंदिरों और घरों में सप्तशती के पाठ के साथ गुप्त एवं विशेष अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। नगर के शीतला माता मंदिर में सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। मंदिर में दर्शन का सिलसिला रात तक चलता है । शीतला माता जनकल्याण समिति द्वारा भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है जिसमें श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की व्यवस्थाओं का सामना न करना पड़े मंदिर में प्रतिदिन शीतला माता का अभिषेक कन्या पूजन एवं कन्या भोज के साथ माता रानी की महा आरती प्रतिदिन की जाती है जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालू गण शामिल होते हैं।

शीघ्र ही रेलवे ब्रिज निर्माण का कार्य होगा प्रारंभ

शिवपुरी झकलाय रोड पर रेलवे ब्रिज निर्माण हेतु रोड के दोनों और के मकानों का सर्वे हुआ

सिवनी मालवा ■ निसं

मुख रोड से शिवपुरी की और जाने वाले मार्ग पर झकलाय रेलवे गेट पर ब्रिज निर्माण हेतु बुधवार के दिन रेलवे गेट के दोनों ब्रिज एवं एप्रोच रोड के लिए जगह का नापतोल किया गया जिसमें वर्तमान रोड के मध्य से निशान लगाकर दोनों और 12- 12 मीटर कुल 80 फिट जगह नाप कर निशान लगाए गए रोड के दोनों और बने मकान की भी कुछ जगह रोड के लिए चिह्नित की गई है । ब्रिज निर्माण आर. बी .एम . एम्प्रोस्ट कंपनी के मनोज उपाध्याय ने बताया कि अभी रोड के नापतोल किया जा रहा है अप्रैल माह में ही ब्रिज निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा इस संबंध में ब्रिज के नापतोल कर रहे ब्रिज कंपनी के अधिकारी ने बताया कि मकान का सर्वे किया जा रहा है जिसमें रोड के मध्य से 12-- 12 मीटर जगह दोनों तरफ

नाप कर निशान लगाए जा रहे और सभी मकान पर निशान लगाकर सर्वे किया जा रहा है रोड में कुल मिलाकर ब्रिज सहित 80 मीटर जगह पर ब्रिज एवं रोड निर्माण होगा जिसके लिए नापतोल का सर्वे के बाद ड्राइंग फाइनल होने के बाद ही कुछ दिनों में ब्रिज निर्माण का कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

अनमोल वचन

एक मुर्ख खुद को बुद्धिमान समझता है, लेकिन बुद्धिमान व्यक्ति खुद को मुर्ख समझता है।
- विलियम शेक्सपियर

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में प्रकाश किया जा सकता है।
- हेलेन केलर

सम्पादकीय

न्याय मूर्तियों का अहंकार और बार के बीच तल्खी

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका और बार के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है उसके कारण न्यायपालिका की साख आम जनता के बीच में लगातार गिरती जा रही है। न्यायपालिका की निष्पक्षता और न्याय, गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग, इस तरह की धारणा जनसामान्य में बनती चली जा रही है। शीर्ष अदालतों में जिस तरह से कुछ वरिष्ठ वकील और जजों के बीच में विभिन्न प्रकरणों में सम्न्वय देखने को मिलता है। उसके कारण बार के अन्य वकीलों में यह धारणा बनने लगी है। न्यायमूर्ति की कुर्सी पर बैठे हुए जज पूर्व धारणाओं के आधार पर अथवा संबंधों के आधार पर मामलों की सुनवाई करते हैं। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्तियों के रुख से पता चल जाता है। वह क्या फैसला करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। सोशल मीडिया में उनको लेकर समय-समय पर उनके निर्णयों पर जो प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वह अच्छी नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा समय-समय पर उनकी कोर्ट में सुनवाई के तौर तरीके और उनके निर्णयों को लेकर असहमति जताते हुए अपने प्रकरणो की सुनवाई दूसरे बेंच में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट मे जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ में जिस तरह की स्थिति देखने को मिली, वह आश्चर्यचकित करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, सोमा सुंदरम को एक आपराधिक मामले में जिस तरह से फटकार लगाई। उसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का बार एकजुट हो गया। बार के विरोध को देखते हुए खंडपीठ को अपने निर्णय में संशोधन करना पड़ा। अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मद्रास हाईकोर्ट द्वारा जो आदेश पारित किया गया था, उसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। इस याचिका में आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए, दो सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। याचिका कर्ता ने विशेष अनुमति याचिका दायर कर आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बिफर गई। वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम के बारे में की टिप्पणी और आदेश, से वकीलों की नाराजी बढ़ गई। खंडपीठ ने न्यायालय प्रशासन में हस्तक्षेप मानते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम एवं मधु कृष्णा के ऊपर अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया। इससे वकील भड़क गए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था। वकील साहब को अपनी बात रखे जाने का मौका दिया जाना चाहिए। खंडपीठ बिना सुने, उन्हें कैसे दोषी ठहरा सकती है। बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था, कि खंडपीठ इस तरह से वकीलों का केरियर को खत्म नहीं कर सकती है। पिछले कुछ समय से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों द्वारा वकीलों के ऊपर जुर्माना लगाने अथवा कार्रवाई करने को लेकर वकीलों में पहले से ही नाराजी थी। इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। बिना सुनवाई याचिकाओं को खारिज किया जा रहा है, कास्ट लगाई जा रही है। बार काउंसिल के सदस्यों के यह धारणा बनने लगी है, जजों द्वारा पूर्व निर्धारित धारणा के आधार पर अनुचित कार्रवाई की जा रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों का बार सदस्यों के साथ जिस तरह का व्यवहार होता है,उससे लगता है कोर्ट वकील की दलील को सुनना भी नहीं चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ में एक वकील ने अदालत में कहा, कि मेरे विद्वान मित्र, इस पर न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी ने टोंकते हुए कहा, उन्हें विद्वान मित्र मत कहिए। हम परेशान और दुखी हैं, यह कहते हुए उन्होंने वकीलों के ऊपर नाराजगी जता दी। जिसके कारण वकील भड़क गए। पिछले कुछ वर्षों में बार के वकीलों और जजों के बीच में दूरियां बढ़ती चली जा रहीं हैं। सुनवाई के दौरान और फैसलों पर आम धारणा बनती चली जा रही है। वह संविधान, कानून और नियम के अनुसार न होकर सरकार के पक्ष में होते हैं। जिन मामलों मे सरकार को तकलीफ हो सकती है, या जिन मामलों में सरकार सुनवाई नहीं चाहती है, उनकी सुनवाई लगातार शीर्ष अदालतों द्वारा टाली जाती है। जिस मामलें में सरकार पक्षकार होती है उसमें तारीख पर तारीख लगती है। जजों द्वारा जिस तरह से मामलों में सुनवाई को टाला जाता है, उसको लेकर अब एक विरोध बार और न्यायालय के बीच दिखने लगा है। सुप्रीम कोर्ट में आज जिस तरह से अपने स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने के लिए वकील एकजुट हो गए। खंडपीठ को अपने आदेश में संशोधन करना पड़ा। इसका कोई अच्छा संदेश नहीं गया है। जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से आधे अधूरे निर्णय आ रहे हैं। उन्हीं मामलों में सुनवाई होती है जिन मामलों में सरकार सुनवाई चाहती है। आम मुकदमों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की प्राथमिकता अलग होती है। वीवीआईपी मामलों के लिए प्राथमिकता अलग तय होती है। न्यायालय के निर्णय सरकार के लिए अलग और विपक्षी पक्ष के लिए अलग होते हैं। न्याय का पलड़ा सरकार की तरफ झुकता है। बार काउंसिल के सदस्यों और न्यायमूर्तियों के बीच में आपसी समझ बेहतर हो, इसका ध्यान रखा जाना आवश्यक है। जज यदि अपने आप को बार से ऊपर मानते हैं, वकीलों के ऊपर जुर्माना करते हैं, उन्हें बोलने का पर्याप्त अवसर कोर्ट में नहीं दिया जाता है। इसकी पुनर्रावृति ना हो इसके लिए बॉर काउंसिल के सदस्यों और न्यायपालिका के जजों के बीच में संवाद की व्यवस्था समय-समय पर होनी चाहिए।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलत- सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान?

बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा।

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इजराइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नजर भी आ रही थी। अगर सभी अंतराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई गंभीर एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इजराइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश में इस तरह के जुड़ आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों को जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेकों सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है।

बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियों बनाकर अधिक तेजी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में-गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब जरूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठकें समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर समीक्षा करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे।

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाशत नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी।

- ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाशत नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में।

पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

शरीर के लिए कम हानिकारक नहीं है ये क्रीम पाउडर

- मुकेश तिवारी

पसीना निकलना हमारे शरीर की स्वाभाविक और अनिवार्य प्रक्रिया है। पसीने के रूप में हमारे शरीर की गंदगी और विषैले तत्व हमारे शरीर से बाहर निकल जाते हैं ।यह पसीना गर्मियों के दिनों में हमारे शरीर को ठंडा रखने में मददगार रहता है । लेकिन अब भारत में गर्मी का मौसम आते ही समाचार पत्र, पत्रिकाओं से लेकर चैनलो पर आने वाले आकर्षक और भ्रामक विज्ञापनों से प्रभावित होकर पसीने की दुर्गंध से छुटकारा दिलाने वाले टेलकम पावडर और क्रीम के उपयोग का चलन बढ़ रहा है। लोग पसीने और इसकी दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के सुगन्धित टेलकम पाउडरों और दुर्गन्धनाशक क्रीमों का उपयोग करना प्रारंभ कर देते हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में ऐसे क्रीम, टेलकम पाउडर का भारतीय बाजार चार गुना बढ़ चुका है। पसीने की दुर्गन्ध नाशक क्रीम -पावडर तेजी से लोकप्रिय हो इसमें शक नहीं कि बहुत कम लोग यह जानते है कि ये टेलकम पाउडर और क्रीम उनके शरीर की त्वचा के साथ-साथ गुर्दे और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों को क्षति पहुंचा सकते हैं। अधिकांश टेलकम पाउडर और दुर्गंध नाशक क्रीम पसीनारोधी होते हैं। इसमें काम आने वाले रसायन त्वचा के छिद्रों को बंद कर देते हैं। जिससे प्रत्यक्ष रूप से पसीने का निकलना तो बंद हो जाता है ।यह परोक्ष रूप से तमाम सारी खतरनाक बीमारियों को आमंत्रित करने के लिए अग्रसर हो जाता है ।यदि त्वचा के छिद्र बंद हो जाए तो गुर्दे और त्वचा से निकलने वाले विषाक्त पदार्थ का बाहर निकलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। बिषात पदार्थों के नहीं निकलने से गुर्दे को भी ज्यादा काम करना पड़ेगा और फिर इसमें भी खराबी आने का अंदेशा बना रहता है ।इतना ही नहीं ,त्वचा से पसीना निकलने की प्रक्रिया रक्त में ऑक्सीजन पहुंचकर इसके शुद्धिकरण में भी मददगार होती है और यदि ये छिद्र बंद हो जाए तो यह प्रक्रिया भी निश्चित रूप से अवरोधित होगी और बदले में फेफड़ों को ज्यादा काम करना पड़ सकता है ।बाजार में बिकने वाले तमाम दुर्गंध नाशक क्रीमों एवं टेलकम पाउडर में प्रयुक्त होने वाली सुगंधित पदार्थों के प्रभाव से पसीने की बदबू तो दूर हो जाती है। लेकिन पाउडर बनाने वाली कंपनियां इसमें ऐसी सुगंधों का इस्तेमाल करती है, जो मोहक होती है और मस्तिष्क के एक खास हिस्से के न्यूरानों को अपनी गिरफत में कर लेती हैं ।इसका इस्तेमाल करने से पसीना ठीक ढंग से बाहर नहीं निकल पाता और यदि थोड़ा बहुत निकलता भी है तो वह भी हवा में मैं नहीं मिल पाने के कारण ठीक तरह से सुख नहीं पाता ,परिणाम स्वरुप इसके आसपास मौजूद तमाम सारे बैक्टीरिया की गतिविधियों से और अधिक दुर्गन्ध जन्म ले लेती है। जो कि हानिकारक होती है ।वैसे तो टेलकम पाउडर कई तरह के होते हैं, जो अत्यंत महीन चूर्ण से बने होते हैं। इसका सर्वाधिक भाग मैग्नीशियम सिलिकेट से बना होता है, लेकर अच्छे टेल कम पाउडर सफेद रंग के गंधहीन चूर्ण से बने होते हैं ।इसे अगर चुटकी में लिया जाए तो यह फिसलता है । महंगे टेलकम पाउडर में सिलिकेट के अलावा काओलिन , कैल्शियम कार्बोनेट, जिंक ऑक्साइड, जिंक स्टीयरेट, मैग्नीशियम कार्बोनेट के साथ-साथ सुगंधित पदार्थ मिश्रित होते हैं । यह सभी जानते हैं कि जिंक ऑक्साइड एक जीवाणु नाशक रसायन है। अनेक टेलकम पाउडर में तो टिटेनियम ऑक्साइड और चाक मिट्टी भी मिलाई जाती है । इसी तरह सुगंध के लिए आमतौर पर पौधों के रस से तैयार क्रिस्टल पावडर मिश्रित किया जाता है। जबकि क्रीम वाले दुर्गंधनाशक में मुख्य रूप से आक्सीकिवनोलिन सल्फेट नामक विषैले केमिकल को मिलाया जाता है जो केंद्रीय तंत्र का तंत्र को उत्तेजित करता है ।

खास बात

वक्फ बिल पास होकर रहेगा, नायडू नीतीश और चिराग देंगे साथ

संसद में वक्फ बिल पेश होगा, सरकार इसे आसानी से पास भी करा लेगी ।इसकी तैयारी मोदी शाह की जोड़ी ने कर ली है। चंद्रबाबू नायडू, नितीश बाबू और चिराग पासवान भले मुसलमानो के हितों की बात कर रहे हैं। यह कह रहे हैं, कि वह वक्फ बिल का समर्थन नहीं करेंगे ।मुस्लिम संगठन और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल उत्साहित हैं। सदन में वक्फ बिल पास नहीं होगा ।मोदी शाह की जोड़ी ने कच्ची गोटिंया नहीं खेली है। एनडीए के सहयोगी दल वक्फ बिल के विरोध करते हुए मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे। बिल संसद से पास हो जाएगा। इसे कहते हैं, सांप भी मर जाएगा और लाठी भी नहीं टूटेगी। इसे कहते हैं राजनीति।

कर्नाटक कांग्रेस में टूट-फूट की तैयारी

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में 224 सीटों में से कांग्रेस को 138 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। बहुमत के लिए कांग्रेस को 113 सीटों की आवश्यकता है। कांग्रेस के पास 25 सीटें अधिक हैं। इसके बाद भी कांग्रेस की सरकार कभी भी गिर सकती है। भाजपा गठबंधन को सरकार बनाने के लिए 29 विधायक चाहिए हैं। जो खेल महाराष्ट्र में भाजपा ने खेला था ।अब वही खेल कर्नाटक में भाजपा खेलने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री पद के दावेदार डीके शिवकुमार पर भाजपा ने हाँका लगाकर घेरने की तैयारी कर ली है। कभी भी शिवकुमार को घेरकर, कर्नाटक में भाजपा की सरकार बनाई जा सकती है। यह बात अलग है कि जिसका शिकार भाजपा करेगी। वही कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री होगा। भाजपा और जेडीएस तैयार हो गई है। जल्द ही कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार गिरना तय माना जा रहा है। वहीं डीके शिव कुमार का मुख्यमंत्री बनना भी तय है। डीके शिवकुमार एक बार मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। उसके लिए वह कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार हैं। यह बात अलग है कि जैसा महाराष्ट्र में हुआ है। कुछ समय के बाद कर्नाटक में भी वही होगा।

आईएएस पति-पत्नी ने ली स्वैक्षिक सेवा निवृत्ति

उड़ीसा के सबसे पावरफुल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बीके पांडियन और भारतीय प्रशासनिक सेवा की सुजाता कार्तिकेयन, जो पांडियन की पत्नी हैं ।दोनों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा से टाटा बाय बाय कर लिया है। केंद्र सरकार ने आवेदन मिलते ही कार्तिकेयन को सेवानिवृत्ति कर दिया। जबकि कम से कम तीन माह का नोटिस दिया जाना जरूरी होता है। पांडियन का इस्तीफा केंद्र सरकार मे 3 दिन के अंदर मंजूर हो गया था। सुजाता के आवेदन को तत्काल मंजूर कर लिया गया ।दोनों पति-पत्नी नवीन पटनायक के काफी करीबी थे। इन्हें नवीन बाबू का सक्सेसर माना जाता था।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि षष्ठी, गुरुवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, आ/सौ. योगे, कौलव करणे, वृष की चंद्रमा, रवियोग 14/54 जातकर्म, नामाकरण, धान्य छेदन, व्यापार वृक्षारोपण तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल शासक-प्रशासक, उद्यमी तथा सफल व्यापारी होगा, जंगल का ठेकेदार, बागीचा लगाने वाला, लकड़ी का व्यापारी, आरा मशीन वाला, लकड़ी के टाल वाला, ट्रक-बस मालिक होगा।

मेष राशि: स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, किसी तनावपूर्ण स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा।

वृष राशि: कार्यवृत्ति अनुकूल, चिन्ताऐं कम हों, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास अवश्य ही होगा।

मिथुन राशि: कार्यवृत्ति अनुकूल, चिन्ताएं कम हों, पारिवारिक समस्या निपटेंगी, कार्य होगा।

कर्क राशि: व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेंगी, दैनिक स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा।

सिंह राशि: समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, समय का ध्यान देवें।

कन्या राशि: सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा नवीन कार्य फलीभूत हो सकते हैं, कार्य बनें।

तुला राशि: चिन्ताएं कम हों, समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य फलीभूत हों सफलता मिले

वृश्चिक राशि: मनोवृत्ति एवं भावनाएं उत्साहवर्धक हों, कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा।

धनु राशि: दैनिक कार्यगति अनुकूल, मनोकामना पूर्ण होगी, शुभ समाचार अवश्य मिलेगा।

मकर राशि: व्यर्थ धन व्यय, विरोधी परेशान अवश्य ही करेंगे, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि: समाज में मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होवेगी, व्यवसाय में साधन प्राप्त करें।

मीन राशि: तनाव व क्लेश, अशांति से बनते हुए कार्य अवश्य ही बिगड़ जायेंगे, विवाद से बचें।

- पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.27 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	10.05 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.35 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.47 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.57 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.12 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.28 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	01.33 बजे से
		कुंभ	03.20 बजे से
		मीन	04.53 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 21.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 07.02 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 00.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 10.41 बजे तदनन्तर तैतिल 21.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872303
जूलियन दिन 2460768.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 04
विशेष यमुना छठ, स्कंद षष्ठी, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के सीएम ने एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप विजेताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी ने बुधवार को एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों मनीषा भानवाला (गोल्ड), रीतिका हूडा (सिल्वर), मुस्कान नंदल (ब्रॉन्ज) और उनके कोच मंदीप से मुलाकात की। इस अवसर पर ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय जनता पार्टी नेता योगेश्वर दत्त भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नयाब सिंह सैनी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने लिखा, फ्रआज सीनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता मनीषा, रजत पदक विजेता रीतिका हूडा, कांस्य पदक विजेता मुस्कान नंदल और कोच मंदीप ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी गईं और माता रानी की कृपा से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। मनीषा भानवाला (62 किग्रा) और अंतिम पंघाल (53 किग्रा) ने एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप 2025 में भारत के लिए स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। यह प्रतियोगिता अम्मान, जॉर्डन में आयोजित की गई थी। मनीषा भानवाला ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की ओक जे किम को फाइनल मुकाबले में 8-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2022 से 2024 तक लगातार तीन बार कांस्य पदक जीतने के बाद इस बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रीतिका हूडा ने महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा श्रेणी में रजत पदक हासिल किया। मुस्कान नंदल (59 किग्रा), मानसी लाठर (68 किग्रा), ग्रीको-रोमन पहलवान नितेश (97 किग्रा) और सुनील कुमार (87 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

एलएनसीटी में 6वी जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता आज से

भोपाल। मध्य प्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा एलएनसीटी कैंपस रायसेन रोड भोपाल में 6वी जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय रग्बी 7S (महिला × पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2025 तक किया जा रहा है। रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन मध्य प्रदेश के सचिव अबरार अहमद शेख ने बताया कि इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, मंदसौर, रायसेन जिला, रायसेन कॉर्पोरेशन, खरगोन, शाजापुर, बैतूल, नर्मदापुरम, देवास जिला, देवास कॉर्पोरेशन जबलपुर, रतलाम, सीहोर जिला, सीहोर कार्पोरेशन इत्यादि 15 जिलों के 450 से अधिक महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

मंत्री विश्वास सारंग ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए कहा

पार्थ योजना, खेलो-बढ़ो अभियान से अधिक खिलाड़ी लाभान्वित हों

भोपाल ■ प्रतिनिधि

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। उन्होंने कहा है कि पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के जरिये ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इससे लाभान्वित हो, इसकी तैयारी की जाये।

मंत्री सारंग बुधवार को तात्या टोपे स्टेडियम स्थित मेजर ध्यान चंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने दोनों योजना और अभियान को मूर्तरूप से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 9-10 संभाग में इसको त्वरित गति से अग्रसर किया जाये। इसकी विभाग और शासन स्तर की कार्रवाई पूर्ण करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाये।

मंत्री सारंग ने कहा कि खेलो-बढ़ो अभियान एक मई से शुरू हो। प्रारंभ में इसके लिये 37 जिले चयनित किये गये है। सोशल मीडिया से भी इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाये, जिससे प्रदेश का टैलेन्ट सामने आये। इसका कैलेण्डर तैयार कर लिया जाये। साथ ही बच्चों के पालकों के साथ भी मोटिवेशन वार्तालाप हो।

मंत्री सारंग ने निर्देश दिये कि सितम्बर से खेलो एम.पी. गेम्स की शुरूआत की जाये, जिससे मध्यप्रदेश की टीम तैयार हो और वही नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले। बैठक में भेल स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, खेलो एम.पी. यूथ गेम्स, प्रकाश तरूण पुष्कर, फिट इंडिया क्लब और नेशनल चैम्पियनशिप पर भी चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव सहित खेल अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रनों से हराकर जीती सीरीज, तीसरे वनडे में क्लीन स्वीप का मौका

हैमिल्टन ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 84 रनों की जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। अब कीवी टीम शनिवार को माउंट माउंगानुई में होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे में क्लीन स्वीप करने उतरेगी।

मैच में न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी सफलता तेज गेंदबाज बेन सियर्स को मिली, जिन्होंने अपने तीसरे वनडे में ही पांच विकेट झटककर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। सियर्स ने अपने पहले दो वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने 59 रन देकर 5 विकेट झटके और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। विल ओ'रूर्के ने पहले ही ओवर में अब्दुल्ला शफीक (1) को आउट कर दिया। इसके बाद बाबर आजम भी सिर्फ 1 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने। इमाम-उल-हक (0) भी डफी की गेंद पर आउट हुए,जिससे पाकिस्तान 5.3 ओवर में ही 9/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। इसके बाद भी टीम की हालत नहीं सुधरी। सलमान आगा (9) के रूप में चौथा विकेट गिरा, जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान भी 27 गेंदों पर सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। तैयब ताहिर (13), मोहम्मद वसीम (1) और अकिफ जावेद भी जल्दी आउट हो गए, जिससे पाकिस्तान की हार लगभग तय हो गई थी। हालांकि, फहीम अशरफ और नसीम शाह ने 60 रनों की साझेदारी कर कुछ संघर्ष दिखाया। अशरफ ने 80 गेंदों में 73 रन बनाए, जबकि नसीम शाह ने 44 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली। लेकिन उनकी ये पारियां न्यूजीलैंड की जीत को रोकने के लिए काफी नहीं थीं।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फाइनल्स: अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए मंच तैयार, भूटिया-पॉल करेंगे शिरकत

गोवा ■ एजेंसी

ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप फुटबॉल 2025 का नेशनल फाइनल 8 अप्रैल से गोवा में शुरू होगा। इस वर्ष टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक बनाते हुए प्रसिद्ध इंग्लिश क्लब नॉर्विच सिटी एफसी की यूथ टीम भी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है।

इस चैंपियनशिप में देशभर से कुल 16 टीमें, जिसमें आठ लड़कों और आठ लड़कियों की टीमें शामिल हैं, खिताब के लिए संघर्ष करेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा नामित राज्यों- असम, झारखंड, केरल, राजस्थान, गोवा, ओडिशा, कर्नाटक और दिल्ली की टीमें पहली बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी।

ग्रुप स्टेज के मुकाबले एसएजी बेनौलिम फुटबॉल ग्राउंड और उटोर्डा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे। वहीं, 15 अप्रैल को राया फुटबॉल ग्राउंड में ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। इस अवसर पर भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया और सुब्रत पॉल भी उपस्थित रहेंगे। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले फैनकोड पर लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे।

ड्रीम स्पोर्ट्स के सीओओ और सह-संस्थापक भावित सेठ ने कहा, यह टूर्नामेंट भारत में जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय टीमों को शामिल करने से युवा

खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस साल लड़कियों की टीमों को भी शामिल कर हमने फुटबॉल को और अधिक समावेशी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हम एआईएफएफ के समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसने हमारे इस विजन को साकार करने में योगदान दिया है। टूर्नामेंट के दौरान ड्रीम अगेन पहल के तहत नॉर्विच सिटी एफसी के कोचों द्वारा सभी भाग लेने वाली टीमों के सहायक स्टाफ के लिए नॉलेज एक्सचेंज वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी। इन वर्कशॉप्स में कोचिंग लीडरशिप, शारीरिक और चिकित्सा जागरूकता तथा फुटबॉल स्टाफ विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

प्रतिस्पर्धा में शामिल शीर्ष युवा टीमें

गहन रीजनल क्वालिफायर के बाद, सात भारतीय यूथ टीमें नेशनल फाइनल में अपनी जगह बना चुकी हैं-

पंजाब एफसी (दिल्ली), रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (मुंबई), चेन्नईयिन एफसी (बेंगलुरु), मोहन बागान सुपर जायंट (कोलकाता), फुटबॉल 4 चेंज (गुवाहाटी), सेसा एफए (गोवा), डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब (गोवा)

प्रतिस्पर्धात्मक प्रारूप और उभरती प्रतिभाओं के लिए मंच

टूर्नामेंट ग्रुप स्टेज फॉर्मेट में खेला जाएगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश करेंगी। यह आयोजन युवा फुटबॉलरों को पेशेवर करियर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। इंग्लिश फुटबॉल में अपने प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध नॉर्विच सिटी एफसी ने अब तक बेन गॉडफ्रे (एवर्टन एफसी, इप्सविच टाउन) और जेम्स मैडिसन (लीसेस्टर सिटी, टोटेनहम हॉटस्पर) जैसे टॉप-लेवल खिलाड़ियों को तैयार किया है। इस प्रतिष्ठित क्लब की भागीदारी से भारतीय युवा खिलाड़ियों को एक नया अनुभव मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

एमपी ट्रांसको के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स कर्मियों के लिये होंगे फ्री हेल्थ चेक-अप कैम्प

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के मध्यप्रदेश में कार्यरत सभी एम.पी. ट्रांसको के सभी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स कार्यों में संलग्न सभी स्थायी, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मियों के लिये फ्री हेल्थ चेक-अप कैम्प आयोजित किये जायें। साथ ही ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स के सभी उप संभागों में जीवन रक्षक तकनीक पर कार्यशाला आयोजित की जायें। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक ने यह निर्देश जबलपुर में आयोजित ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स कार्मिकों के लिये आयोजित 02 दिवसीय कार्यशाला में दिये। उन्होंने कहा कि कंपनी के सभी कार्मिक आउटसोर्स कर्मियों का विशेष ध्यान रखें और उन्हें वह सब सुविधाएं उपलब्ध करावें जिससे उनका हित हो सके। प्रबंध संचालक ने कार्य के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने के लिये मेंटेनेन्स कर्मियों के मोबाइल इस्तेमाल पर रोक का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। कार्यशाला के संयोजक अधीक्षण अभियंता श्री सुनील यादव ने बताया कि कार्यशाला में प्रदेश के लगभग 40 लाइन और सब स्टेशन मेंटेनेन्स कर्मियों ने हिस्सा लिया। इन्हें विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा कंपनी की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के तहत सुरक्षित कार्य संपादित करने के विषय में विस्तार पूर्वक बताया गया।

भारत से ऑस्ट्रेलिया को निर्यात अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान 4.4 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान 4.4 फीसदी बढ़ा है। इसकी वजह दोनों देशों के बीच 2022 में लागू किया गया मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि 2022 में दोनों देशों के बीच लागू मुक्त व्यापार समझौते के कारण अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 4.4 फीसदी बढ़ा है। इस समझौते पर 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे। मंत्रालय ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते ने मजबूत व्यापार के लिए रास्ते तैयार किए हैं। समझौते पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन के बाद वित्त वर्ष 2023-24 में कुल द्विपक्षीय व्यापार 24 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में ऑस्ट्रेलिया को भारत के निर्यात में 14 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। इससे दोनों देशों में व्यवसायों, उद्यमियों और रोजगार के लिए नए रास्ते खुलेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (इंड-ऑस ईसीटीए) आज अपनी तीसरी वर्षगांठ मना रहा है, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक साझेदारी को बढ़ाया है।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 7-9 अप्रैल को, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों का शेड्यूल जारी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होंगी, जिनमें से पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को शुरू होकर 9 अप्रैल, 2025 तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को एमपीसी के निर्णय की जानकारी देंगे। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक मे रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6.5 फीसदी से 6.25 फीसदी कर दिया था।

रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है आईबीआई

आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष की 7-9 अप्रैल की होने वाली पहली बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों यानी 0.25

फीसदी तक की कटौती कर सकता है। इसके अलावा कुछ रेटिंग एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एमपीसी अप्रैल में होने वाली बैठक में आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है।

मौद्रिक नीति समिति क्या है

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी। इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के वर्तमान में छह सदस्य हैं। इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमपीसी की बैठकों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए छह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठकें निर्धारित की हैं। इसमें पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी। इससे पहले आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की थी, जो 6.5 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी हो गया था। आरबीआई ने ये कटौती करीब 5 साल के बाद की थी।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने रचा नया इतिहास

ताप विद्युत गृहों ने किया रिकार्ड 28789.8 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपने ताप विद्युत गृहों के माध्यम से ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने कुल 28789.8 मिलियन यूनिट (एमयू) विद्युत उत्पादन कर नया कीर्तिमान बनाया है। यह अब तक किसी भी वित्तीय वर्ष में हुआ सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में ताप विद्युत उत्पादन 28627.03 मिलियन यूनिट दर्ज हुआ था। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने सर्वाधिक 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। उल्लेखनीय है कि पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 4570 मेगावाट है।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 210 मेगावाट स्थापित क्षमता के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने 1546 मिलियन यूनिट, 500 मेगावाट स्थापित क्षमता के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 3756 मिलियन यूनिट, 1340 मेगावाट स्थापित क्षमता के संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 8445 मिलियन यूनिट व 2520 मेगावाट स्थापित क्षमता के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया ने 15042 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया।

संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 3 ने 4116 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया। यह इस यूनिट के इतिहास में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ताप विद्युत गृहों के अभियंताओं व कार्मिकों को ऐतिहासिक सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन करने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है और ताप विद्युत उत्पादन की नई ऊंचाई का संकेत है। ऊर्जा मंत्री ने आशा व्यक्त की कि रिकार्ड स्तर का ताप विद्युत उत्पादन राज्य की औद्योगिक वृद्धि व विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

डीएफएस सचिव ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री में सुधार पर बैठक की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने बुधवार को केंद्रीय केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) रिकॉर्ड रजिस्ट्री में एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सुधार और वित्तीय सेवाओं की सुगमता से उपलब्धता के लिए अपने ग्राहक अनुपालन को जानने से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीएफएस के सचिव नागराजू ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) के पुनर्गठन और केवाईसी अनुपालन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाते समय नागरिकों के जीवन को आरामदायक बनाना है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक में नागराजू ने केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) के आधुनिकीकरण और केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। चर्चा के दौरान हितधारकों से कई सुझाव प्राप्त हुए, जिन पर केवाईसी प्रक्रिया को और अधिक आसान बनाने के लिए विचार किया जाएगा।

इसके अलावा बैठक के दौरान व्यक्तियों और विनियमित संस्थाओं से संबंधित प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां, सरकार और वित्तीय क्षेत्र के नियामकों की ओर से अब तक उठाए गए कदम और वित्तीय क्षेत्रों में केवाईसी प्रक्रिया से संबंधित दक्षता को और बढ़ाने, अतिरेक को कम करने और सुरक्षा में सुधार के लिए प्रस्तावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में संबंधित मंत्रालयों, विभागों, वित्तीय क्षेत्र के नियामकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

जीईएम ने 2024-25 में बनाया रिकॉर्ड, 10 लाख लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डिजिटल खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों के लिए 10 लाख से अधिक जनशक्ति संसाधनों की भर्ती करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि जीईएम की यह उपलब्धि पारदर्शिता, अनुपालन और दक्षता के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को बदलने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जीईएम की इस उपलब्धि पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान में जीईएम प्लेटफॉर्म की सफलता और इसके माध्यम से रोजगार के अवसरों पर अपनी बात साझा की। उन्होंने इस प्लेटफार्म के जरिए 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के आंकड़े को ऐतिहासिक बताया। पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीईएम विशाल रोजगार सृजन में सहायक बन रहा है और श्रमिकों की भर्ती के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह प्लेटफॉर्म वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर चुका है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति और सरकारी संगठनों में प्रभाव को दर्शाता है।

इस उपलब्धि पर जीईएम के सीईओ अजय भादू ने कहा, जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का दोहन किया है और प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर सरकारी खरीदारों द्वारा आवश्यक सभी संभावित सेवाओं की खरीद के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में उभरा है। हमारी मैनपावर आउटसोर्सिंग सेवा न केवल सरकारी संगठनों के लिए भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि हमारे व्यापक सेवा स्तर समझौते के माध्यम से सख्त श्रम अनुपालन भी सुनिश्चित करती है।

जीईएम की मैनपावर आउटसोर्सिंग सरकारी खरीदारों को आउटसोर्स संसाधनों को काम पर रखने के लिए एक सहज समाधान प्रदान करती है। इस प्लेटफॉर्म पर 33 हजार से ज्यादा सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम वेतन और निश्चित पारिश्रमिक सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर मैनपावर को शामिल करने में सक्षम बनाते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सुरक्षाकर्मी, बागवानी कर्मचारी, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सुविधा प्रबंधन पेशेवरों जैसी विभिन्न कुशल और अकुशल भूमिकाओं को पोर्टल के माध्यम से काम पर रखा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया: राष्ट्रपति के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 को, 14 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ आए महाभियोग पर फैसला 5 अप्रैल को होना है। कहीं कोई अप्रिय स्थिति न बने इसके लिए 14 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने पुलिस बलों को गैफो अलर्ट पर रखा है, जो उच्चतम स्तर है और सभी उपलब्ध पुलिस बलों को आपातकालीन स्टैंडबाय पर रखता है। सभी संवैधानिक कोर्ट के जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस संवैधानिक न्यायालय परिसर में घुसने का प्रयास करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी। यदि यून फैसले के लिए अदालत में उपस्थित होते हैं, तो पुलिस राष्ट्रपति निवास से संवैधानिक कोर्ट तक के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाएगी और रास्ते में उनके पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अलग करेगी। लॉयर्स फॉर ए डेमोक्रेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष यून बोक-नाम, जिन्हें मिनब्यून के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि यून के महाभियोग के फैसले की तारीख बहुत देर से आई है, लेकिन फिर भी यह राहत की बात है। हालांकि, संवैधानिक न्यायालय के पास यून समर्थक प्रदर्शनकारियों ने कोरियाई और अमेरिकी झंडे लहराते हुए महाभियोग खारिज करो के नारे लगाए। पुलिस ने कथित तौर पर कोर्ट की घोषणा के बाद मंगलवार दोपहर तक संवैधानिक न्यायालय के पास लगभग 3,200 कर्मियों को तैनात कर दिया।

नेपाल-थाईलैंड प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता, कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

काठमांडू। थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा पर गए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पेटोंगट्रान शिनावात्रा के बीच बुधवार को बैंकाक में हुई मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। बैंकाक में दोनों देशों के प्रधानमंत्री के बीच बैठक में शामिल हुईं नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा ने कहा कि थाईलैंड के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापना के 65 साल के बाद पहली बार नेपाल के प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा होना अपने आप में ऐतिहासिक है। इससे पहले थाईलैंड की प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने एक सरकारी इमारत में प्रधानमंत्री ओली का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बैठक के बाद संस्कृति और पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. आरजू ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसी तरह दोनों देशों के गैर-सरकारी और व्यावसायिक संगठनों के बीच छह अलग-अलग समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक दूसरे देशों को पर्यटन, शिक्षा, तकनीकी क्षेत्र में सहयोग आदान प्रदान करने पर जोड़ दिया।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी शरणार्थियों में से तीन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया

काठमांडू। अमेरिका द्वारा डिपोर्ट किए गए 10 भूटानी नागरिकों को भूटान सरकार ने अपने यहां रखने से इनकार करते हुए उन सभी को वापस नेपाल भेज दिया है। इनमें से तीन भूटानी शरणार्थियों को नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिका जाने से पहले ये सभी 10 लोग नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविरों में रह रहे थे। नेपाल के झापा जिले के एसपी मिलन केसी ने बुधवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने के बाद अवैध रूप से नेपाल में प्रवेश करने वाले 10 में से तीन भूटानी नागरिकों को मंगलवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता लगा है कि अमेरिका से डिपोर्ट होने के बाद भूटान सरकार ने उन्हें अपने यहां रखने से इनकार कर दिया जिसके बाद वो भारत के रास्ते नेपाल में दोबारा आ गए हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी अस्वस्थ कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मीडिया में उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबरें आने के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से संपर्क किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। हालांकि राष्ट्रपति कार्यालय या पीपीपी की ओर से अपने सह अध्यक्ष के स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सुबह मीडिया आउटलेट्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति जरदारी को नवाबशाह से लाए जाने के बाद कराची के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, शोभायात्रा निकाली

वाराणसी ■ एजेंसी

वर्ष में एक बार खुलता है दरबार, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ पूरा धाम

चैत्र नवरात्र के चौथे दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर स्थित माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन के लिए विभिन्न संगठनों के साथ श्रद्धालु महिलाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। वर्ष में सिर्फ एक दिन के लिए खुलने वाले माता के दरबार में दर्शन पूजन के लिए मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी महिलाओं व हिंदू पक्ष के पैरोकार, अधिवक्ताओं के साथ ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ता भी पहुंचे।

दरबार में श्रद्धालु महिलाओं ने विधि विधान से माता का दर्शन कर श्रृंगार सामग्री अर्पित कर उनसे सौभाग्य का आर्शीवाद मांगा। इसके पहले वादिनी महिलाओं के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के नेतृत्व में मैदागिन स्थित गोरखनाथ मठ मां श्रृंगार गौरी की पूजा के लिए शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। इसमें चारों वादिनी महिलाएं भी शामिल हुईं। श्रृंगार गौरी केस के मुख्य अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पत्रकारों को बताया कि हम मां श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए जा रहे हैं। उनके चरणों में हम कामना करेंगे कि जो न्यायालय में संघर्ष चल रहा है, उसमें विजय प्रदान करें। इसी क्रम में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के जत्थे ने भी माता रानी की आरती उतारी। इस दौरान ज्ञानवापी परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए। श्रद्धालुओं को सत्यनारायण मंदिर और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार-बी से सुबह 8.30 बजे से प्रवेश दिया गया। दर्शन पूजन में महिला दर्शनार्थियों को वरीयता दी गई, जिससे उनकी लाइन आगे रही। ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के बैनर तले श्रद्धालुओं का दल कलश में गंगा जल लेकर मंदिर में पहुंचा। हर-हर महादेव के गगनभेदी उद्घोष, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से पूरा धाम परिक्षेत्र गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां श्रृंगार गौरी की प्राचीन प्रतिमा के टूटे पत्थरों पर सिंदूर और चंदन का लेपन किया। इसके बाद पुष्प और नैवेद्य अर्पित किया। पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ माता की आराधना की।

इसी क्रम में चौक चित्रा सिनेमा के पास से भी श्रद्धालुओं की भीड़ गुलशन कपूर के नेतृत्व में दर्शन पूजन के लिए ज्ञानवापी पहुंचा। श्रद्धालु हाथों में पूजन सामग्री, माला फूल, ध्वज लेकर दरबार में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने ज्ञानवापी कूप के जल से माता के विग्रह को स्नान कराया। फिर गुलाब, अड़हुल, बेला के फूलों से श्रृंगार कर माता को सिन्दूर अर्पित किया। इसके बाद माता रानी से भव्य मंदिर बनने की गुहार लगाई। माता श्रृंगार गौरी के दर्शन के बाद दल ने ज्ञानवापी कूप के जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। माता अन्नपूर्णा और ढुढ़ीराज गणेश का दर्शन कर जत्थे ने ज्ञानवापी परिसर में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर दर्शन पूजन यात्रा को विराम दिया और वापस अपने घरों को लौटे। इसके पहले मंगलवार शाम को श्री काशी विश्वनाथ धाम के सभागार में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद की बैठक हुई। इसमें माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन कार्यक्रम, ज्ञानवापी व्यास जी तहखाना और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन की रूप रेखा बनी। इस बैठक में काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र, मंदिर के डिप्टी एसडीएम शंभू शरण, पुलिस उपायुक्त, ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद से डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र, अधिवक्ता अनघ शुक्ल, पतंजलि पांडेय आदि की उपस्थिति रहीं।

लोकसभा में पहले ही पास हो चुका है विधेयक

अब राज्यसभा से भी पारित हुआ आप्रवास, विदेशियों विषयक बिल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा ने बुधवार को आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक का उद्देश्य देश में आप्रवासन से जुड़े कानूनों को नए सिरे से परिभाषित करना है। विधेयक का उद्देश्य केंद्र सरकार को भारत में प्रवेश करने और यहां से प्रस्थान करने वाले व्यक्तियों के संबंध में पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों की आवश्यकता और विदेशों से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए कुछ शक्तियां प्रदान करना है।

विधेयक के अधिनियम बनने पर यह विदेशियों और आप्रवास से संबंधित मामलों के वर्तमान के चार अधिनियमों- विदेशियों विषयक अधिनियम-1946, आप्रवास (वाहक दायित्व) अधिनियम-2000, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 और विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम-1939 का स्थान लेगा। लोकसभा इसे 27 मार्च को पहले ही पास कर चुका है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। उन्होंने सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज हमारे देश में करीब 1 करोड़ 72 लाख एनआरआई हैं। इतना बड़ा डायसपोरा किसी और देश के पास नहीं है। उन सबके आने-जाने और उनकी सारी चिंताओं के निराकरण के लिए यह विधेयक मोदी सरकार ले कर आई है।

राय ने कहा, अभिषेक मनु सिंघवी जब बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि मोदी सरकार डराना चाहती है। मैं कहना चाहता हूं कि मोदी सरकार किसी को डराना नहीं चाहती है लेकिन डर उनको होना चाहिए जो भारत में आकर देश के खिलाफ साजिश करना चाहते हैं। ऐसे लोगों के मन में डर पैदा होना ही चाहिए।

इस विधेयक से एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ेगा, डेटा प्रबंधन की जटिलता समाप्त हो जाएगी। कुछ सदस्यों ने इस विधेयक को समिति को रेफर करने की सलाह दी है लेकिन तीन साल के गहन विचार के बाद गृह मंत्रालय ने इस विधेयक को तैयार किया है। देश की आवश्यकता के अनुरूप किया है। इसके प्रावधानों में भारत में प्रवेश और ठहरने के लिए वैध दस्तावेज को अनिवार्यता कर दी गई है। अप्रवास ब्यूरो पहले से ही काम कर रहा है। यह एकमात्र एजेंसी होगी जो विदेश से आने वाले लोगों का लेखा जोखा रखेगी। अब विदेशी लोगों को एक ही एजेंसी से संपर्क करना होगा। ऐसा प्रावधान कई देशों में है।

नित्यानंद राय ने कहा कि कुछ सदस्य आरोप लगा रहे हैं कि सरकार मेधावी, विदेशी विशेषज्ञों को रोकना चाह रही है लेकिन सरकार को अपने देश के मेधावी विशेषज्ञों पर गर्व है। इसलिए विदेशी लोग जो देश में आकर भारत के विकास के लिए काम करेंगे उनका विरोध नहीं किया जा रहा है लेकिन देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने वाले विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अच्छे मन से अगर विदेशी लोग आएंगे तो उनका स्वागत होगा और जो नुकसान पहुंचाएगा उसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

विधेयक पर चर्चा के दौरान इसका विरोध करते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह विधेयक यह संदेश देता है कि सभी विदेशी संभावित अपराधी हैं, जिन्हें भारत को गंभीर संदेह की दृष्टि से देखना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि इसे स्थायी समिति के पास भेजा जाना चाहिए, क्योंकि यह निचले स्तर के अधिकारियों को अत्यधिक शक्ति प्रदान करता है और इसमें अपील, निगरानी और जवाबदेही के अलावा अन्य बातों के लिए प्रावधानों का अभाव है।

विधेयक में क्या है खास

प्रस्तावित अधिनियम में भारत में प्रवेश करने, रहने या बाहर निकलने के लिए जाली पासपोर्ट या वीजा का उपयोग करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित किया जाएगा।

विधेयक में सात साल तक की जेल और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। होटलों, विश्वविद्यालयों, अन्य शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम के लिए विदेशियों के बारे में जानकारी देना अनिवार्य होगा, ताकि निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने वाले विदेशियों पर नज़र रखी जा सके। यह कानून केंद्र को उन स्थानों पर नियंत्रण करने का अधिकार देता है, जहां किसी विदेशी का आना-जाना लगा रहता है और मालिक को परिसर को बंद करने, निर्दिष्ट शर्तों के तहत इसके उपयोग की अनुमति देने या सभी या निर्दिष्ट वर्ग के विदेशियों को प्रवेश देने से मना करने की आवश्यकता होती है।

हैदराबाद विवि की 400 एकड़ भूमि नीलामी के विरोध में एबीवीपी ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सचिव श्रवण बी राज और शिवांगी खारवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर हैदराबाद विश्वविद्यालय की 400 एकड़ भूमि के अतिक्रमण और नीलामी के गंभीर मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार से इस भूमि को बचाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप कर विश्वविद्यालय को उसका अधिकार वापस दिलाने की मांग की है।

इस संदर्भ में अभाविप ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर तेलंगाना सरकार की मनमानी और छात्रों की आवाज को दबाने के प्रयासों की कड़ी निंदा की। परिषद ने स्पष्ट किया कि शिक्षा और अनुसंधान के लिए समर्पित इस भूमि का निजी कंपनियों को सौंपा जाना न केवल अनुचित और निंदनीय है बल्कि इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी संतुलन को भी गहरी क्षति पहुंचेगी। यह भूमि न केवल शैक्षिक महत्व रखती है, बल्कि अपने समृद्ध जैवविविधता के कारण एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय धरोहर भी है। यहां अनेक दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास है, जिनके अस्तित्व पर संकट मंडराएगा। इस भूमि का विनाश जैविक तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा, जिससे जलवायु संतुलन, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता पर दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय की यह भूमि केवल एक भूखंड नहीं बल्कि एक शैक्षणिक और पारिस्थितिक धरोहर है, जिसे किसी भी स्थिति में नष्ट नहीं होने दिया जाएगा। जब अभाविप कार्यकर्ताओं और छात्र समुदाय ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई तो तेलंगाना पुलिस ने विश्वविद्यालय प्रशासन की अनुमति के बिना जबरन परिसर में घुसकर छात्रों को गिरफ्तार कर लिया।

यह न केवल छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है बल्कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता पर भी सीधा प्रहार है। अभाविप ने मांग की कि केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर इस 400 एकड़ भूमि को तुरंत विश्वविद्यालय को लौटाए और पूरे 2320 एकड़ भूमि का आधिकारिक हस्तांतरण सुनिश्चित करे, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण की संभावना समाप्त हो सके।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट: नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वीडन ने बनाए परमाणु निरोधक बंकर

स्टॉकहोम ■ एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच स्वीडन को लगने लगा है कि तीसरा विश्व युद्ध होगा। इसी आशंका के बीच स्वीडन ने आपनी तैयारी शुरु कर दी है। नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए 64 हजार से अधिक सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल बनाए हैं। इससे नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों के नुकसान से बचाया जा सकता है। स्वीडन की नागरिक सुरक्षा एजेंसी (एमएसबी) ने घोषणा की है कि वह अपनी नागरिक सुरक्षा बंकरों के नवीनीकरण के लिए 100 मिलियन क्रोनर का निवेश करेगी। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों से बचाना है।

स्वीडन में पहले से ही लगभग 64,000 सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। ये बंकर लगभग सात मिलियन नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं, जो स्वीडन की कुल जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा है। इसके बावजूद, स्वीडन ने अपने सुरक्षा उपायों को और अधिक उन्नत करने के लिए बंकरों की जांच और नवीनीकरण प्रक्रिया को तेज कर दिया है। विशेष रूप से, मार्च 2024 में स्वीडन के नाटो में शामिल होने के बाद से इन बंकरों की सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने बताया कि इस नवीनीकरण परियोजना के तहत, बंकरों में मौजूद फिल्टर सिस्टम को उन्नत किया जाएगा ताकि रासायनिक और रेडियोलॉजिकल हमलों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इसके अतिरिक्त, इन बंकरों को परमाणु हमलों, बम के टुकड़ों, शॉकवेव्स, और हीटवेव से बचाव के लिए भी डिजाइन किया गया है। बंकरों में नागरिकों को रेडियोधर्मी फॉलआउट, रासायनिक गैस, और जैविक हथियारों से सुरक्षा प्राप्त होगी। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने जनवरी 2024 में कहा था, स्वीडन युद्ध में नहीं है, लेकिन शांति भी नहीं है।

फिर बिगड़ी देश की राजधानी दिल्ली की आबोहवा, ग्रैप-1 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजधानी की आबोहवा एक बार फिर बिगड़ गई है। बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 217 दर्ज किया। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता में गिरावट को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के स्टेज-1 की पाबंदियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश जारी किया है। सीएक्यूएम ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में लिया है।

सीएक्यूएम की सब-कमेटी ने बुधवार को बैठक कर दिल्ली-एनसीआर के वायु गुणवत्ता परिदृश्य की समीक्षा की। आईएमडी व आईआईटीएम की भविष्यवाणी व दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) के बढ़ते स्तर को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आज दिल्ली का एक्यूआई 217 रिकॉर्ड किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान भी दर्शाता है कि आगामी दिनों में कम वेंटिलेशन कॉफिशिएंट, हवा की गति में कमी व प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी रह सकती है।

क्या हैं पाबंदियां

ग्रैप के स्टेज-1 के तहत निर्माण और धूल प्रदूषण नियंत्रण, खुले स्थानों और सड़कों पर धूल के स्तर को कम करने के लिए उपाय किए जाएंगे। सभी संबंधित एजेंसियों को कड़ाई से इन नियमों का पालन करने व एक्यूआई को और अधिक गिरने से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से निर्माण व विध्वंस गतिविधियां, सड़कों और खुले क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप निर्णय

सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा था कि यदि एक्यूआई 200 से ऊपर होता है तो ग्रैप एक की पाबंदियां लागू होंगी। अगर 300 से ऊपर एक्यूआई चला जाए तो ग्रैप दो की पाबंदियां लागू की जाती हैं। एक्यूआई 350 से अधिक होता है तो स्टेज-III और यदि 400 से अधिक होता है तो स्टेज-IV के उपाय लागू किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शनिवार को ग्रैप एक की पाबंदियां हटाई गई थी।

नक्सलियों की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय के शांति वार्ता प्रस्ताव संबंधी पत्र पर उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री शर्मा ने कहा

राज्य सरकार नक्सलियों से वार्ता के लिए तैयार, लेकिन पहले आत्मसमर्पण करें

रायपुर ■ एजेंसी

नक्सलियों के केंद्रीय समिति के शांति वार्ता के प्रस्ताव में नक्सलियों के युद्धविराम जैसे शब्द के प्रयोग पर राज्य के उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार का रुख स्पष्ट किया। नक्सलियों की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय के शांति वार्ता प्रस्ताव संबंधी पत्र पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री शर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में युद्ध जैसी कोई स्थिति नहीं है तो फिर युद्धविराम कैसा? राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों से बातचीत के लिए तैयार है। नक्सलियों को हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करना होगा, तभी कोई सार्थक समाधान संभव है। वार्ता के लिए एक उचित माध्यम तय किया जाना चाहिए, ताकि बातचीत से कोई ठोस समाधान निकाला जा सके।

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को मंत्रालय में एक पत्रकार वार्ता में कहा कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते कि इसके लिए कोई शर्त न हो। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार का रुख साफ है, बातचीत के दरवाजे खुले हैं, लेकिन हिंसा और खूनखराबे पर कोई समझौता नहीं होगा। नक्सलियों को हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण करना होगा, तभी कोई सार्थक समाधान संभव है। यदि नक्सली वास्तव में मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं और बातचीत के लिए इच्छुक हैं तो उन्हें अपने प्रतिनिधि और वार्ता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना होगा। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के पास नक्सलियों के लिए बेहतरीन पुनर्वास नीति है। अगर वे आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें एक बेहतर जीवन जीने का मौका दिया जाएगा।

पत्रकारों से वार्ता में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वार्ता का स्वरूप आईएसआईएस जैसी किसी कट्टरपंथी विचारधारा की तर्ज पर नहीं हो सकता। यदि कोई चर्चा करना चाहता है तो उसे भारतीय संविधान की मान्यता स्वीकार करनी होगी। अगर वे संविधान को नकारते हैं और समानांतर व्यवस्था थोपने की कोशिश करते हैं, तो वार्ता का कोई औचित्य नहीं रहता। शर्मा ने कहा कि यदि नक्सली वार्ता को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें अपनी ओर से वार्ता के लिए समिति बनानी चाहिए। अब यदि वे बातचीत करना चाहते हैं, तो उन्हें स्पष्ट प्रस्ताव के साथ आगे आना होगा। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने अब तक की सबसे बेहतर पुनर्वास नीति लागू की है। जो भी नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उन्हें इस नीति के तहत सुरक्षा, पुनर्वास और रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। सरकार चाहती है कि जो लोग भटके हुए हैं, वे समाज में वापस आएं और एक व्यवस्थित जीवन जीयें। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक से डेढ़ वर्ष में 40 गांवों में पहली बार तिरंगा फहराया गया, जहां पहले तक नक्सली कानून थोपने की कोशिश करते थे। उन्होंने कहा कि अब राज्य के सभी गांवों में तिरंगा लहराना और भारतीय संविधान का पालन करना अनिवार्य है।

सूरत। गुजरात के सूरत के वराछा रोड विधानसभा सीट से विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी (किशोर कानाणी) के फर्जी हस्ताक्षर और मुहर से आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाने के रैकेट को पुलिस ने पकड़ा है। इस सिलसिले में एमबीए के छात्र को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी छात्र उड़ीसा से फर्जी मुहर बनवाकर लाया था, जिसका उपयोग पिछले तीन महीने से कर रहा था। मामले में पुलिस ने मुहर बनाने वाले एक अन्य आरोपी को वांछित घोषित किया है। कापोद्रा पुलिस के अनुसार एक अप्रैल की शाम गश्त के समय सर्विलांस स्टाफ को सूचना मिली कि दीपक पटनायक नामक 26 वर्षीय युवक फर्जी मुहर का उपयोग कर लोगों के आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम-पता बदलता है। पुलिस ने ऑपरेशन शुरू कर कापोद्रा सौराष्ट्र सर्किल से दीपक पटनायक को पकड़ा।

संक्षिप्त समाचार

सिलारी में नहर की एवं भमकापुरा मे जलाशय के बांध की साफ सफाई की गई

नर्मदापुरम। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जीर्ण शीर्ण पेयजल एवं जल स्रोतों के रखरखाव के लिए साफ सफाई एवं स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है, साथ ही प्राचीन कुंए बावडी, छोटी नदियां, तालाब, सरोवर की साफ सफाई कर उसे पेयजल के लिए पुनर्जीवित करने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी कड़ी में जल संसाधन विभाग ने जनपद पंचायत माखन नगर के ग्राम सिलारी स्थित 248 बाबई नहर का जीर्णोद्धार करने के लिए आवश्यक मरम्मत एवं साफ-सफाई का कार्य किया। नहर में व्याप्त कचरा एवं गाद को निकाला। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इटारसी संभाग में भमका पूरा जलाशय के बांध का जंगल सफाई कार्य, मिट्टी का कार्य किया गया। सिवनी मालवा संभाग अंतर्गत निरखी माइनर में मिट्टी का कार्य तथा सोहागपुर संभाग अंतर्गत सफाई का कार्य किया गया। इन नहरो में उगी हुई झाड़ियों को साफ किया गया। जल संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर एवं जन भागीदारी के सहयोग से उक्त कार्य किया। साथ ही उपस्थित लोगों को जल के महत्व एवं जल स्रोतों एवं जल संसाधनों के रखरखाव तथा उनके संरक्षण के संबंध में समझाइश दी और कहां की यह हमारी महत्वपूर्ण धरोहर है और इस धरोहर को हर हाल में बचाना है।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन एवं परिवहन में अनियमितताओं की जाँच हेतु जांच दल गठित

नर्मदापुरम। विपणन वर्ष 24-25 में समर्थन मूल्य पर किसानों से उपार्जित धान के परिवहन एवं मिलिंग में पाई गई अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए खद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा विस्तृत जाँच के निर्देश दिए गए हैं। तत?संबंध में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा नर्मदापुरम जिले में जांच के लिए एक जाँच दल का गठन किया गया है। गठित जाँच दल के अध्यक्ष के रूप में अनिल जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभाग सोहागपुर को नियुक्त किया गया है। वहीं, जिला आपूर्ति अधिकारी नर्मदापुरम को संयोजक, उपायुक्त सहकारिता जिला नर्मदापुरम, जिला प्रबंधक म.प्र. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन एवं जिला प्रबंधक म.प्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन को जांच दल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। उक्त जाँच दल उपार्जित धान की मात्रा, परिवहन प्रक्रिया, गोदामों में जमा धान की स्थिति, धान में कमी, मिलर्स को किए गए भुगतान, मिलर्स द्वारा धान उठाव एवं सीएमआर जमा की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जाँच करेगा।

कम समय मे होगा शिकायतों ओर कार्यो का निराकरण-सीईओ रावत

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में ई-ऑफिस सरकारी कार्यालयों में जारी हो चुका है जो सुचारू रूप से चल रहा है मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत द्वारा सबसे पहले जिला पंचायत कार्यालय में सभी विभागों में ई-ऑफिस का कार्य सुचारू रूप से संचालित कर दिया गया है वे सभी विभागों से ई-ऑफिस में ही कार्य कर रहे है उन्होंने बताया कि डिजिटल तरीके से काम करने का एक अच्छा तरीका है। यह एक डिजिटल वर्कप्लेस सॉल्यूशन है। ई-ऑफिस का मकसद, सरकारी कार्यालयों में कामकाज को सरल, पारदर्शी, और जवाबदेह बनाना है जो कि प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने से समझ आता है। ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है जो बहुत सरल, स्पष्ट और पारदर्शी एवं कम समय मे हो रहा है। ई ऑफिस के बहुत अच्छे फायदे हैं।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें आगामी स्तर पर प्रेषित किया

ई-ऑफिस प्रणाली से सरकारी कार्य होंगे अधिक पारदर्शी और दक्ष - कलेक्टर

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अपनी ई-डेस्क पर प्राप्त सभी फाइलों पर आवश्यक कार्यवाही की। उन्होंने इस दौरान फाइलों पर स्वयं आवश्यक मार्किंग टाइप कर अपलोड किया और ई-साइन का उपयोग करते हुए फाइलों को आगामी कार्यवाही के लिए अग्रेषित किया। कलेक्टर ने कहा कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण अब फाइलों का संरक्षण और ट्रैकिंग भी पहले से अधिक आसान हो गया है।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले में लागू ई-ऑफिस प्रणाली की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली सरकारी कार्यों को अधिक पारदर्शी, दक्ष और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कलेक्टर ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली के तहत अब सरकारी फाइलों का संचालन पूरी तरह से डिजिटल हो गया है, जिससे कागजी कार्यों में कमी आएगी और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। इसके माध्यम से अधिकारी और कर्मचारी कहीं से भी आवश्यक दस्तावेजों तक पहुंच सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। ई ऑफिस प्रणाली के तहत अब संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बेहतर रूप से जवाबदेही तय की जा सकेगी।

कलेक्टर सुश्री मीना ने बताया कि कलेक्ट्रेट कार्यालय में फाइलों का आदान-प्रदान ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। इससे न केवल कार्यप्रणाली सरल हो रही है बल्कि कार्य कुशलता भी बढ़ी है। कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली के विभिन्न सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह प्रणाली

अधिक सुविधाजनक: इस प्रणाली को अपनाने से सभी प्रशासनिक कार्य सरल और सुगम हो जाएंगे।

कहीं से भी संचालन संभव: अधिकारी और कर्मचारी किसी भी स्थान से फाइलों का संचालन कर सकेंगे। जिससे अवकाश के दिनों में भी कार्य नहीं रुकेंगे।

समय की बचत: ई-ऑफिस प्रणाली से कार्य शीघ्र और प्रभावी ढंग से निपटाए जा सकेंगे, जिससे कार्यों की गति तेज होगी।

फाइलों का बोझ होगा कम: डिजिटल प्रणाली लागू होने से कागजी दस्तावेजों का उपयोग कम होगा और कार्यालयों में फाइलों का अतिरिक्त बोझ समाप्त होगा।

सुव्यवस्थित संधारण: सभी फाइलों का डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित संग्रहण होगा, जिससे किसी भी समय दस्तावेजों को जल्दी और आसानी से ढूंढा जा सकेगा।

सीधी निगरानी: यह प्रणाली अधिकारियों को सीधे निगरानी करने की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

कलेक्टर सुश्री मीना ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली से प्रशासनिक कार्य और अधिक प्रभावी होंगे। उन्होने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली से सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता में और भी अधिक सुधार आयेगा। इस नई प्रणाली से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुगमता से होगा।

कल श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम बाथम

नर्मदापुरम /पिपरिया ■ अमृत दर्शन

आगामी 2 अप्रैल को आयोजित निषाद जयंती समारोह में शामिल होने हेतु पिपरिया प्रवास पर आये मप्र मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्ययक्ष कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त सीताराम जी माझी समाज के सदस्य गणों के साथ ग्राम - डूमर मंदिर तह बरेली से आये माँ नर्मदेश्वरि सेवा समिति के सदस्य सचिव नारायण ठेकेदार, संयोजक श्री परसराम नावड़ा ,संतोष नौरिया , सचिन केवट सहित अन्य सदस्य ने पिपरिया गेस्ट हॉउस में बाथम से भेंट कर 4 मई को नवश्रृंगारित मंदिर का भव्य उद्घाटन एवं 7 दिवसीय श्री विष्णु पुराण कथा के साथ श्री राम कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में श्री बाथम जी को आमंत्रण पत्र देकर कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया श्रीमान बाथम जी इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर आमंत्रण देने हेतु पूर्व विधायक हरिशंकर जायसवाल पिपरिया, माझी समाज से वरिष्ठ समाज सेवी हरिबाबू संतोरे, महेंद्र केवट, गुलाब केवट, पार्षद रत्ना केवट, एडवोकेट पवन सनखेरिया, विजय केवट, भोला बर्मन,उमेश केवट सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का आज नर्मदापुरम जिले में आगमन होगा

केसला में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जल गंगा संवर्धन महा अभियान में सहभागिता कर जिला योजना समिति की बैठक लेंगे। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का आज 2 अप्रैल को नर्मदापुरम जिले में आगमन होगा। प्रभारी मंत्री 2 अप्रैल को शाम 5 बजे जबलपुर से नर्मदापुरम जिले के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 9 बजे सर्किट हाउस नर्मदापुरम पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे।

3 अप्रैल को प्रभारी मंत्री सिंह प्रातः 10 बजे सर्किट हाउस से केसला के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रातः 10:30 बजे केसला के एकलव्य आवासीय विद्यालय भरगदा में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगे।प्रभारी मंत्री सिंह प्रातः 11:30 बजे केसला से नर्मदापुरम के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रातः 12 बजे फेफर ताल में जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता कर दोपहर 1 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में जिला योजना समिति की बैठक लेंगे।

प्रभारी मंत्री सिंह दोपहर 3 बजे तवा पुल पर लोकार्पण एवं भूमि पूजन के कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं तत्पश्चात शाम 4 बजे तवा पुल से छिंदवाड़ा जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्पर्श फिजियोथेरेपी एवं रिहेबिलिटेशन सेन्टर द्वारा निरुद्ध बंदियों का इलाज किया गया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

बुधवार को केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में निरूद्ध बंदी जो मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से पीडित है ऐसे बंदियो के इलाज हेतु स्पर्श फिजियोथेरेपी एवं रिहेबिलिटेशन सेन्टर नर्मदापुरम द्वारा जेल में शिविर का आयोजन किया गया।आयोजित शिविर में डॉ. सुनैना मिश्रा फिजियोथेरेपिस्ट , डॉ. मयंक तोमर साक्षरता मिशन,सागर शर्मा फिजियोथेरेपिस्ट समाजसेवी भावना विष्ट द्वारा मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से 35 पुरूष बंदियों को फिजियोथेरेपी के माध्यम से इलाज किया गया। मांसपेशी दर्द एवं हड्डी रोग से निजात पाने हेतु जेल में निरूद्ध बंदियों सहित जेल स्टाफ कर्मचारियों को भी मांसपेशी एवं ह?ड्डियों से संबंधित एक्सरसाइज एवं सावधानियां बताई गई। आयोजित शिविर के दौरान संतोष सोलंकी जेल अधीक्षक, प्रहलाद सिंह बरकडे उप अधीक्षक, हितेश बंडिया अष्टकोण अधिकारी, श्रीमती इंदुराज साहु मेलनर्स, जेल स्टाफ कर्मचारी उपस्थित रहे ।

डा.कल्याणी यादव ने सम्हाला खण्ड चिकित्सा अधिकारी का पदभार

माखननगर ■ निसं

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माखन नगर में पदस्थ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर घनश्याम चौहान का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम डी कम्युनिटि मेडिसिन) के लिए चयन होने पर उन्हें पद छोड़ना पड़ा । अब खण्ड चिकित्सा अधिकारी का प्रभार डॉक्टर कल्याणी यादव के हाथों में होगा । जिन्हें वर्तमान बीएमओ डॉक्टर घनश्याम चौहान ने बुधवार को आज अपना प्रभार सौंपा ।

प्रभार ग्रहण करने के बाद डॉक्टर श्रीमती कल्याणी यादव ने मौजूद अधिकारी, कर्मचारियों को अपने कार्य दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा लगन से करते हुए बेहतर गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दिये जाने के निर्देश दिये !

साथ ही डॉक्टर घनश्याम चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान विकासखंड में उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं, कार्य उपलब्धि बताते हुए सभी उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया !

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अभाविप का प्रदर्शन

डीईओ के अनुपस्थित रहने पर अभाविप ने दी लापता पोस्टर लगाने और आंदोलन की चेतावनी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। प्राइवेट स्कूलों की मनमानीअभिभावकों को आ रही समस्या, प्राइवेट पब्लिशर की पुस्तकों चलाने के पीछे की कमीशनखोरी के खिलाफ ज्ञापन और धरना-प्रदर्शन हुआ।

दोपहर 1.30 बजे अभाविप जिला संयोजक मृदुल नाथ चौहान और नगर मंत्री अभिषेक पटेल के नेतृत्व में अभाविप कार्यकर्ता डीईओ दफ्तर नारे लगाते हुए पहुंचे। गेट के बार सभी पहले नारे लगाकर जिला शिक्षा अधिकारी को बुलाने की मांग करने लगे। करीब 10 मिनट बाद भी डीईओ या स्टॉफ के बाहर नहीं आने पर सभी अभाविप छात्र जमीन पर बैठ गए और फिर से नारेबाजी करने लगे।

चेतावनी-अभाविप जिलेभर में आंदोलन करेगी

जिला संयोजक मृदुल नाथ चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी के मौजूद नहीं होने पर चेतावनी दी कि अगर जिला शिक्षा अधिकारी यहां नहीं आएंगे तो अभाविप नगर में डीईओ लापता के पोस्टर लगाएंगी। करीब 40 मिनट चले प्रदर्शन के बाद एडीईओ अमित मांडेकर ने अभाविप कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें डीईओ सर के आवश्यक काम से भोपाल जाने के बारे में बताया गया। जिसके बाद जिला संयोजक साहू ने डीईओ एसपीएस बिसेन से मोबाइल कॉल पर बात की गई। जिसके बाद 6 सूत्रीय मांगों को लेकर पत्र सौंपा गया। चेतावनी दी गई कि कमीशनखोरी बंद नहीं होती और समस्या का हल नहीं होता है तो अभाविप आंदोलन करेगी। बुधवार को जिलेभर में ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन सौंपा गया।

दमोह सीएमओ के साथ हुए दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग

मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और कर्मचारियों ने कलेक्टर के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

दमोह के मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप शर्मा के साथ स्थानीय ठेकेदार द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को लेकर जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों और कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। जिले के सभी सीएमओ और कर्मचारियों ने नगरीय प्रशासन विभाग के अपर सचिव के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपकर दमोह की घटना के अपराधियों के विरुद्ध ऑनड्यूटी शासकीय सेवक पर हमला करने, दुर्व्यवहार करने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के अपराध की धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस दमोह को शासन से निर्देश जारी करने की मांग की है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने बताया कि विगत 29 मार्च 2025 को मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप शर्मा के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा एवं विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की न केवल प्रतिष्ठा खराब हुई है बल्कि सभी के मनोबल का भी हास हुआ है।एक शासकीय अधिकारी के साथ हुई इस दुर्व्यवहार की घटना पर जिला प्रशासन दमोह द्वारा संज्ञान नहीं लेने व अपराधियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं करने से पूरे प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारी व कर्मचारियों में तीव्र रोष है। यदि दमोह के जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा अपराधियों पर कार्रवाई नहीं की जाती है तो प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कामबंद आंदोलन करने के लिए बाध्य रहेंगे।

ज्ञापन सौंपते समय मुख्य नगरपालिका अधिकारी नर्मदापुरम हेमेश्वरी पटले, इटारसी सीएमओ रितु मेहरा, पिपरिया सीएमओ आरपी नायक, बनखेड़ी सीएमओ निशांत श्रीवास्तव, माखननगर सीएमओ जीएस राजपूत, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, हरिश गोस्वामी, सुनील अवस्थी, मूर्तिसिंह राजपूत, दाताराम सगर, आशीष दुबे, राजकुमार, सतीश मिश्रा, शैलेंद्र दुबे, मनोज, राजेश श्रीवास्तव, खुमानसिंह आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन, रैली निकाली, बैरीकेड पर चढ़कर लगाये नारे

इटारसी ■ निसं

जिला एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने आज यहां अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया। जयस्तंभ चौक से निकले कांग्रेसियों को पुलिस ने नगर पालिका कार्यालय के काफी पहले एसबीआई चौराह के पास बैरीकेडिंग करके रोक लिया था। नारेबाजी करते हुए कई कांग्रेसी बैरीकेडट पर चढ़ गये। उन्होंने नगर पालिका अधिकारी ऋतु मेहरा और नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

करीब आधा घंटे नाटकीय अंदाज में चले इस आंदोलन के बाद मांगों का ज्ञापन लेकर नगर अध्यक्ष मयूर जैसवाल आगे आए और सीएमओ को अपनी मांगें बतायीं। इस दौरान जिलाध्यक्ष शिवाकांत पांडेय भी मौजूद रहे। वे ज्ञापन सौंप पाते, इसके पूर्व ही पीछे खड़े कांग्रेसियों ने फिर नारेबाजी और बैरीकेडिंग तोड़कर आगे बढने का प्रयास किया। इसके बाद सीएमओ ऋतु मेहरा वापस अपने कार्यालय आ गयीं। कई कांग्रेस पुलिस के वाहन पर चढ़े गये और पुलिस उनको लेकर थाने आ गयी। इधर चार कांग्रेस नेताओं ने सीएमओ को उनके कक्ष में जाकर ज्ञापन दिया और अपनी मांगें बतायीं।

जयस्तंभ से जुलूस की शक्ल में निकले

दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कांग्रेसी जयस्तंभ चौक से तुलसी चौक, पुराना फल बाजार, भारत टाकीज रोड, भारतीय स्टेट बैंक चौराह पर पहुंचे। पुलिस ने यहां भी बैरीकेड लगाये थे, हालांकि फिर उनको हटा दिया, लेकिन एसबीआई एटीएम के सामने लगे बैरीकेड पर सख्ती से रोक दिया। कांग्रेसियों को नगर पालिका कार्यालय का घेराव करना था, लेकिन पुलिस ने पहले से ही उनको कार्यालय तक पहुंचने से रोकने के इंतजाम कर रखे थे। नगर पालिका कार्यालय तरफ की सारी रोड पर बेरीकेड लगा रखे थे। कांग्रेस का जुलूस एसबीआई एटीएम के पास रुका जहां नगर अध्यक्ष मयूर जैसवाल ने संबोधित करते हुए अपनी मांगें जनता के समक्ष रखी। उनका संबोधन चल ही रहा था कि युवा कांग्रेसी बैरीकेड पर चढ़कर उसे फांदने का प्रयास करने लगे। यहां बड़ी संख्या में तैनात पुलिस ने उनको सख्ती से रोका तो कांग्रेसियों ने ऊपर चढ़े-चढ़े ही नारेबाजी की। आंदोलन में वरिष्ठ नेता अजय शुक्ला, नरेश चौहान, गजानन तिवारी, नीलेश मालोनिया, ओम सेन, लाली सलूजा, सौम्य दुबे, जित्तू राजपूत, विजय बाबू चौधरी, सहित अनेक पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि सहित सैंकड़ों कांग्रेसी मौजूद थे।

पुलिस ने किया था खासा इंतजाम: नगर पालिका कार्यालय के पास पुलिस ने खासा इंतजाम कर रखा था। यहां वज्र वाहन था, आंसू गैस के गोले थे, लाठियां सहित आंदोलनकारियों को रोकने का समूचा इंतजाम था। इस दौरान एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा, टीआई गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में रामपुर, पथरोटा सहित अनुभाग का पुलिस बल आया हुआ था। नगर पालिका कार्यालय से सूरजगंज रोड, एसबीआई चौराह और एसबीआई एटीएम के पास बैरीकेड लगाये गये थे। पुलिस ने एटीएम के पास स्थित बेरीकेड से कांग्रेसियों को आगे नहीं बढने दिया।

हालांकि एक बेरीकेड को तोड़कर महिला कांग्रेस नेत्रियां दूसरी तरफ आ गईं थी, जिसमें पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीलमा गांधी और पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा भदौरिया भी थीं।

35 वर्षों पुराने अतिक्रमण से मुक्त हुई 57 एकड़ शासकीय भूमि, ग्राम पंचायत रंधाल को सौंपी

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम ग्रामीण तहसील के अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 02 के ग्राम रंधाल में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यह भूमि खसरा नंबर 53 में से 57 एकड़ क्षेत्रफल की थी, जिस पर पिछले लगभग 35 वर्षों से अनाधिकृत रूप से कब्जा किया गया था। यह भूमि गौवंश के चराई हेतु सुरक्षित थी, लेकिन इस पर अतिक्रमणकारियों द्वारा विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जा रही थीं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।